राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत–गुजरात, संस्करण शनिवार,15अगस्त2020 वर्ष–3, अंक –200 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वतंत्रता दिवस हर भारतीय के लिए बहुत खास है यह दिन

ब्रितानी हुकूमत के खिलाफ एक लंबी लड़ाई, हजारों कुर्बानियां और तमाम जुल्मों-सितम के बाद हिंदुस्तान 15 अगस्त 1947 की आधी रात को अंग्रेजों से मुक्त हो गया था। एक लंबे समय से गुलामी की बेड़ियों में जकड़े भारतीय समाज को खुली हवा में सांस लेने का मौका मिला तो हर ओर बस जश्न का माहौल था। हर कोई आजादी के मतवालों को याद कर रहा था, जिनके बलिदान से भारतीयों को मुक्ति मिली थी। इस दिन से भारत का स्वतंत्रता दिवस मनाया जाने लगा।

भारत आज स्वतंत्रता दिवस की 73वीं वर्षगाठ मनाने जा रहा है। देश के लिए इस बार स्वतंत्रता दिवस कई मायने में खास है। एक ओर जम्मू-कश्मीर से आटिकल-370 हटाकर उसे दो हिस्सों में बांटकर जम्मू और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया है। इस बार भी देश की जनता को प्रधानमंत्री से काफी उम्मीदें हैं। पीएम मोदी इस बार अपने दूसरे कार्यकाल में लाल किले से तिरंगा फहराएंगे। आजादी के 72 साल पूरे होने पर हर साल की तरह इस बार भी राष्ट्रीय पर्व पर तरह-तरह के कार्यक्रम किए जाएंगे। इस खास पर्व के मौके पर क्या बड़े बुजुर्ग, युवा, बच्चों से लेकर महिलाएं सभी स्वतंत्रता दिवस और जश्न ए आजादी के उल्लास में डूबे नजर आएंगे। हर तरफ आजादी का जश्न दिखाई देगा।

आजादी से लेकर आज तक लगभग सात दशक बीत चुके हैं। इन इकहत्तर सालों में भारत ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। एक समय जो देश सोने की चिड़िया कहलाता था, उस पर मुगलों से लेकर अंग्रेजों तक ने बहुत जुल्म ढहाए, जिससे देश का आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक ताना बाना बिल्कुल ढहने की कगार पर पंहुच गया। 1947 में 14 अगस्त की रात जब 15 अगस्त में परिवर्तित हुई तो ब्रितानी हुकूमत का परचम नीचे गिरा भारत का तिरंगा शान से लहराने लगा। उस समय देश का नेतृत्व करने वाले लोगों के सामने देश के विकास की बड़ी चुनौती थी और साधन बहुत कम। जैसे-तैसे इन सात दशकों में देश ने अपने आप को संभाला है और आज विश्व में अपना अलग मुकाम भी स्थापित किया है।

विशेष नारे, जिन्होंने आजादी में दिया अहम योगदान

भारत माता के वीर सपूतों के जज्बे की वजह से हमें 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली। इन सपूतों में और पूरे देश में देशभक्ति और जोश की भावना को भरने के लिए समय-समय पर स्वतंत्रता सेनानियों ने नए-नए नारों को गढ़ा और लोगों को उद्वेलित किया। इन नारों ने देशभक्ति की अलख को जगाए रखा। एक नजर ऐसे ही नारों पर-

- जय हिंद (नेताजी सुभाष चंद्र बोस)
- जय जवान, जय किसान (लाल बहादुर शास्त्री)
- वंदे मातरम (बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय)
- स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा (बाल गंगाधर तिलक)
- सत्यमेव जयते(पंडित मदनमोहन मालवीय)
- इंकलाब जिंदाबाद (भगत सिंह)
- सरफरोशी की तमन्ना, अब हमारे दिल में है (रामप्रसाद बिस्मिल)
- आराम हराम है (जवाहर लाल नेहरू)
- दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे (चंद्र शेखर आजाद)
- तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा (नेताजी सुभाष चंद्र बोस)

आजादी से जुड़े रोचक किस्से जिन्हें जानना भी जरूरी

आजादी के बाद पिछले 72 सालों में भारत ने कितनी तरक्की की इसे लेकर तमाम तरह की चर्चाएं होंगी। इन सभी चर्चाओं से पहले हमें उस दिन के बारे में जानना बेहद जरूरी है। जब हमें 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली थी। उस दिन कई ऐसी घटनाएं हुई थी, जिनके बारे में आज तक कम ही लोग जानते है, आज हम आपको उस दिन की कुछ ऐसी ही बातें बताने जा रहे हैं-

-15 अगस्त 1947, जिस दिन हमारे भारत देश को आजादी मिली, तब इस दिन के जश्न में महात्मा गांधी शामिल नहीं हो सके थे, क्योंकि तब वे दिल्ली से हजारों किलोमीटर दूर बंगाल के नोआखली में थे, जहां वे हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच हो रही सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए अनशन कर रहे थे।

-जवाहर लाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल ने महात्मा गांधी को खत भेजा। इसमें लिखा था, कि 15 अगस्त हमारा पहला स्वाधीनता दिवस होगा। आप राष्ट्रपिता हैं। इसमें शामिल हो अपना आशीर्वाद दें।

- गांधी ने इस खत का जवाब भिजवाया, जब कलकत्ते में हिंदु-मुस्लिम एक दूसरे की जान ले रहे हैं, ऐसे में मैं जश्न मनाने के लिए कैसे आ सकता हूं। मैं दंगा रोकने के लिए अपनी जान दे दूंगा।

- 14 अगस्त की मध्यरात्रि को जवाहर लाल नेहरू ने अपना ऐतिहासिक भाषण ट्रिस्ट विद डेस्टनी दिया था। इस भाषण को पूरी दुनिया ने सुना था, लेकिन महात्मा गांधी ने इसे नहीं सुना, क्योंकि उस दिन वे जल्दी सोने चले गए थे।

- हर साल स्वतंत्रता दिवस पर भारत के प्रधानमंत्री लाल किले से झंडा फहराते हैं, लेकिन 15 अगस्त, 1947 को ऐसा नहीं हुआ था। लोकसभा सचिवालय के एक शोध पत्र के मुताबिक नेहरू ने 16 अगस्त, 1947 को लाल किले से झंडा फहराया था।

- 15 अगस्त तक भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा रेखा का निर्धारण नहीं हुआ था। इसका फैसला 17 अगस्त को रेडक्लिफ लाइन की घोषणा से हुआ।

-15 अगस्त के दिन की शुरुआत सुबह 8.30 बजे हुई, जब वायसरीगल लॉज (जिसे अब राष्ट्रपति भवन के नाम से जाना जाता है) में शपथग्रहण समारोह हुआ। नई सरकार ने सेंट्रल हॉल (आज जिसे दरबार हॉल कहा जाता है) में शपथ ली।

से है घनिष्ठ रिश्ता

जैसा कि सभी जानते हैं कई स्वतंत्रता सेनानी देश को आजाद कराने में शहीद हो गए। जब हम इस स्वतंत्रता दिवस पर इन शहीदों को नमन करेंगे तो इनके स्मारक जरूर याद आएंगे। हम बताते हैं कि देश में किन-किन स्थानों का हमारी आजादी से करीब का रिश्ता है। आप शहीदों को नमन करने के लिए इन स्थानों पर जा भी सकते हैं।

लाल किला, दिल्ली

हर साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारत के प्रधानमंत्री लाल किले पर झंडा फहराते हैं और देश को संबोधित करते हैं। सन 1947 में जब भारत को आजादी मिली थी, उस दिन देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने लाल किले से भाषण दिया था। लाल किला अंग्रजों से भारत की आजादी का प्रतीक है। ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण लाल किले का निर्माण शाहजहां ने करवाया था। लाल रंग के बलूआ पत्थर से बने होने के कारण इसका नाम लाल किला पड़ा।

जलियांवाला बाग, अमृतसर

सन् 1919 में जलियांवाला बाग में बैसाखी के दिन स्वतंत्रता सेनानियों ने रॉलेट ऐक्ट में विरोध में एक बैठक की योजना बनाई। इसके बाद जब लोग यहां आए तो बिना किसी चेतावनी के जनरल डायर ने गोली चलाने का आदेश दे दिया। जालियांवाला बाग हत्याकांड में कई सौ लोग शहीद हुए थे। इन शहीद की याद में जलियांवाला बाग में मेमोरियल बनाया गया है। यहां पर दीवारों में बुलेट का निशान देखे जा सकते हैं। इन निशानों को देखकर आप अत्याचार का अंदाजा लगा सकते हैं।

वाघा बॉर्डर, अमृतसर

पंजाब की वाघा बॉर्डर जो भारत और पाकिस्तान को अलग करती है। रोजाना सुर्यास्त से पहले वाघा बॉर्डर पर रीट्रीट सेरेमनी होती है। इस सेरेमनी में भारत और पाकिस्तान के जवान शामिल होते हैं। इसको देखने के लिए दोनों के तरफ काफी संख्या में पर्यटक आते हैं।

सेलुलर जेल, अंडमान निकोबार द्वीप

अंडमान निकोबार द्वीप समूह में स्थित सेलुलर जेल को काला पानी के रूप में भी जाना जाता है। यह जेल अब एक म्यूजियम और स्मारक बन गई है। सेलुलर जेल में बने म्यूजियम और स्मारक में आने पर आपको अंदाजा होगा कि स्वतंत्रता सेनानियों को हमारे देश को आजाद कराने के लिए कितनी यातना सहनी पड़ी।

अगस्त क्रांति मैदान, मुंबई

मुंबई का अगस्त क्रांति मैदान में गांधीजी ने 9 अगस्त 1942 को अंग्रेजों के खिलाफ भारत छोड़ो का बिगुल फूंका था। यह स्थान भारतीय स्वतंत्रता में सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से है। आज इस मैदान को गोवली मैदान कहा जाता है। आप स्वतंत्रता दिवस पर इस मैदान को देखने जा सकते हैं।

साबरमती आश्रम, अहमदाबाद

साबरमती आश्रम से महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह और दांडी मार्च की शुरुआत की थी। साबरती से लेकर दांडी तक के जिस रास्ते से यह जुलूस निकला था, वो अब ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण हो गया है। महात्मा गांधी ने वर्ष 1930 में दांडी मार्च शुरू किया तो वे इस आश्रम रुके थे।

चंद्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज

सन् 1931 में चंद्रशेखर आजाद प्रयागराज के इस पार्क में ब्रिटिश सैनिकों के साथ लड़े थे। इस पार्क में उन्होंने मात्र 25 साल की उम्र में अपने प्राणों को न्यौछावर किया था। बता दें कि जब चंद्रशेखर आजाद ने ब्रिटिश पुलिस ने घेर लिया। तब उन्होंने सोचा कि ब्रिटिश सैनिकों की गोली से नहीं मरेंगे और उन्होंने खुद को इस जगह पर गोली मार ली। इस जगह को अब चंद्रशेखर आजाद पार्क के नाम से जाना जाता है। पार्क में चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा लगी हुई है।

झांसी का किला उत्तर प्रदेश

सभी जानते हैं कि झांसी की रानी लक्ष्मी बाई बहुत साहसी योद्धा हुई हैं, जिन्होंने सिर्फ अपने दम पर अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। झांसी में एक किला बना हुआ है, जहां आप स्वतंत्रता दिवस पर जा सकते हैं। 17वीं शताब्दी में झांसी का किला राजा बीर सिंह देव ने बनवाया था। ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ लक्ष्मी बाई अपने बेटे को पीठ पर बांधकर वीरता से लड़ीं थीं।

हिमाचल के इस शहर में 15 नहीं 16 अगस्त को मनाया जाता है आजादी का जश्न

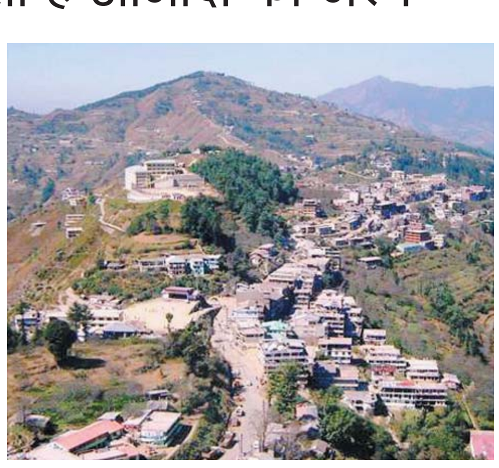

हिमाचल प्रदेश का एक स्थान ऐसा है, जो आजादी का जश्न 15 अगस्त को न मनाकर 16 अगस्त को मनाता है। इस जगह का नाम है ठियोग, जो कि शिमला से तीस किलोमीटर दूर स्थित है। इसके पीछे कारण यह है कि ठियोग रियासत हिंदुस्तान में सबसे पहले राजाओं की सत्ता से आजाद हुई और जनता की चुनी हुई पहली सरकार यहां 16 अगस्त, 1947 को बनी। तब से लेकर प्रशासन 16 अगस्त को यहां सरकारी तौर पर कार्यक्रम आयोजित करता है।

ठियोग से शुरू हुआ था प्रजामंडल आंदोलन: इतिहास बताता है कि 15 अगस्त, 1947 को ठियोग रियासत के राजा कर्मचंद के बासा महल के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई, उन्हें विरोध को देखते हुए अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी। इसके चलते ही अगले दिन लोकतंत्र की बहाली के तहत सूरत राम प्रकाश ने सत्ता संभाली। उनके साथ बुद्धिराम, सीताराम वर्मा एवं आठ अन्य ने मंत्री पद की शपथ ली। याद रहे कि 15 व 16 अगस्त को ठियोग से प्रजामंडल आंदोलन शुरू हुआ था। इसके बाद ही लोकतंत्र की स्थापना हुई एवं सूरत राम को ठियोग का प्रधानमंत्री बनाया गया था।

भारत की तरह ये चार देश भी 15 अगस्त को ही मनाते हैं आजादी का जश्न

15 अगस्त यानी वह दिन जब हमारे देश को आजादी मिली थी। 15 अगस्त का दिन भारत के लिए तो महत्वपूर्ण है, ये तो सभी जानते हैं लेकिन भारत के अलावा भी चार और ऐसे देश हैं, जहां इस दिन आजादी का जश्न मनाया जाता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि इसी दिन वे भी स्वतंत्र हुए थे और इन देशों में भी 15 अगस्त को ही स्वतंत्रता दिवस आता है। यहां हम आपको ऐसे ही देशों के बारे में बताने जा रहे हैं -

कांगो : कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य अफ्रीका महाद्वीप के मध्य में स्थित देश है, जिसका कुछ भू-भाग अंध महासागर से मिलता है। क्षेत्रफल के अनुसार यह विश्व का 11वां सबसे बड़ा देश है और फ्रांसीसी भाषा बोलने वाला सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। 15 अगस्त, 1960 को कांगो फ्रांस से आजाद हुआ। ये देश 80 साल तक फ्रेंच के शासन के तहत रहा।

बहरीन: बहरीन की राजधानी मनामा है। ये अरब जगत का एक हिस्सा है, जो एक द्वीप पर बसा हुआ है। 1985 में नेशनल असेंबली भंग हुई, जो अब तक बहाल नहीं हो पाई है। 1990 में कुवैत पर इराक के आक्रमण के बाद बहरीन संयुक्त राष्ट्रसंघ का सदस्य बना। बहरीन को 15 अगस्त, 1971 को ब्रिटेन से आजादी मिली।

उत्तर और दक्षिण कोरिया : उत्तर और दक्षिण कोरिया को 15 अगस्त, 1945 में जापान से आजादी मिली थी। कोरिया 1948 तक संयुक्त था। उस समय इसे दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया में विभाजित कर दिया गया। साल 1910 से लेकर साल 1945 तक कोरियाई प्रायद्वीप जापान के कब्जे में रहा। साउथ कोरिया 15 अगस्त 1945 को जापान से आजाद हुआ।

..तो 15 अगस्त नहीं इस दिन आजाद होता भारत

15 अगस्त भारतीयों के जेहन में बसी एक ऐसी तारीख है, जिसकी तुलना 26 जनवरी छोड़कर शायद ही किसी और दिन से की जा सके, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत को आजादी मिलने के लिए किसी और तारीख पर सहमति बनी थी, लेकिन अंग्रेजों ने अपनी चाल को सफल बनाने के लिए इसे बदलवा दिया।

असल में साल 1930 से ही कांग्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए 26 जनवरी के दिन का चयन कर चुकी थी। हालांकि इंडिया इंडिपेंडेंस बिल के मुताबिक ब्रिटिश प्रशासन ने सत्ता हस्तांतरण के लिए 3 जून 1948 की तारीख तय की गई थी। फरवरी 1947 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लेमेंट रिचर्ड एटली ने घोषणा की थी कि सरकार 3 जून 1948 से भारत को पूर्ण आत्म प्रशासन का अधिकार प्रदान कर देगी। हालांकि माउंटबेटन के परिदृश्य में आने के बाद सब कुछ बदल गया। फरवरी 1947 में ही लुई माउंटबेटन को भारत का आखिरी वायसराय नियुक्त किया गया था। माउंटबेटन पहले पड़ोसी देश बर्मा के गवर्नर हुआ करते थे। उन्हें ही व्यवस्थित तरीके से भारत को सत्ता हस्तांतरित करने की जिम्मेदारी भी दी गई थी।

जिन्ना के मरने के डर से हुआ सब: असल में जिन्ना ही वह चेहरा थे, जिनको आगे रखकर ब्रिटिशों ने भारत को दो टुकड़ों में बांटने की साजिश रची थी और देश में ब्रिटिशों ने ऐसा हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण किया, जिसकी आग सदियों तक नहीं मिटने वाली थी। अगर जिन्ना की मृत्यु ब्रिटिशों के प्लान के पूरा होने से पहले हो जाती तो उन्हें मुश्किल आ सकती थी। बता दें कि 15 अगस्त ब्रिटिशों के लिए शुभ दिन था, क्योंकि इसी दिन ब्रिटेन और मित्र राष्ट्रों ने जापान को आत्म समर्पण करवाकर द्वितीय विश्वयुद्ध जीता था, इसलिए इस दिन भारत को भी सत्ता हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया।

माउंटबेटन ने क्या किया

कुछ इतिहासकारों का मानना है कि माउंटबेटन ब्रिटेन के लिए 15 अगस्त की तारीख को शुभ मानता था, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध के वक्त जब 15 अगस्त 1945 को जापानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था, तब माउंटबेटन अलाइड फोर्सेज का कमांडर हुआ करता था। इसलिए माउंटबेटन ने ब्रिटिश प्रशासन से बात करके भारत को सत्ता हस्तांतरित करने की तिथि 3 जून 1948 से 15 अगस्त 1947 कर दी। हालांकि एक दूसरे इतिहासकार धड़े का तर्क ज्यादा पुष्ट मालूम पड़ता है। भारत को 3 जून 1948 के बजाय 15 अगस्त 1947 को ही सत्ता हस्तांतरित करने को लेकर एक और कारण यह भी बताया जाता है कि ब्रिटिशों को इस बात की भनक लग गई थी कि मोहम्मद अली जिन्ना जिनको कैंसर था और वो ज्यादा दिन जिंदा नहीं रहेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजों को चिंता थी कि अगर जिन्ना नहीं रहे तो महात्मा गांधी अलग देश न बनाने के प्रस्ताव पर मुसलमानों को मना लेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जरूरी कर सुधार

कर सुधार की ओर भारत ने जो कदम उठाए हैं, वे जरूरी व स्वागतयोग्य हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में कराधान व्यवस्था को सुधारने के इरादे से जो घोषणाएं की हैं, उनसे टैक्स चुकाने वालों को निश्चित ही खुशी हो रही होगी। इन सुधारों का मुख्य लक्ष्य यदि ईमानदार करदाताओं को बढ़ावा देना है, तो इसकी जरूरत दशकों से महसूस की जा रही थी। अव्वल तो स्वयं प्रधानमंत्री ने बता दिया है कि 130 करोड़ लोगों के देश में केवल डेढ़ करोड़ कर चुकाते हैं। कर चुकाने की क्षमता इससे कहीं ज्यादा लोगों में होगी, लेकिन ज्यादातर लोग कमाई छिपाकर टैक्स चुकाने से बचते रहे हैं। कर वसूली की जो पुरानी या लगभग सामंती व्यवस्था रही है, उसमें कई बार कर चुकाने वाला भी कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है। शहर या इलाके के आयकर अधिकारियों में बहुत ताकत होती है और वे अपना 'टारगेट' चुनने के लिए लगभग स्वतंत्र होते हैं। आयकर अधिकारियों की मनमानी और कई बार सरकारों की स्थानीय राजनीति के तहत भी आयकर चुकाने वाले नागरिक निशाने पर आ जाते हैं। अब नए दौर के हिसाब से हो रहे सुधारों से हम बदलाव की उम्मीद कर सकते हैं। सरकार करों के फेसलेस मूल्यांकन अर्थात सीधे संपर्क के बिना ही कर निर्धारण की ओर जो कदम उठा रही है, उसमें व्यावहारिक पहलुओं पर विशेष ध्यान देना होगा। ठीक इसी तरह से कर चुकाने में कोई शिकायत होने पर फेसलेस अपील की सुविधा दी जा रही है, तो जाहिर है, ऑनलाइन सिस्टम को बहुत आसान रखना होगा। इसके साथ ही टैक्स चार्टर का जमीनी लाभ दिखना जरूरी है, ताकि बाकी लोग भी कर देने के लिए प्रेरित हों। प्रधानमंत्री ने देश के लोगों से आगे बढ़कर ईमानदारी के साथ कर देने का आह्वान किया है, तो इस जरूरत को भी समझा जा सकता है। कोरोना और आर्थिक सुस्ती की वजह से सरकार के राजस्व पर असर पड़ा है। सरकार को यह भी लग रहा है कि बुरे दौर में कर वसूली पिछले वर्षों के मुकाबले घटेगी, यह स्वाभाविक भी है, इसलिए सरकार यह सुधार लेकर आई है। राजस्व बढ़ाने का एक उपाय कर दायरा बढ़ाना होता है, पर आज देश जिस दौर में है, लोगों पर नए टैक्स नहीं लादे जा सकते। अत- वर्तमान करदाताओं को ईमानदारी से और पारदर्शी कर भुगतान की सुविधा देकर सरकार ठीक ही कर रही है। प्रधानमंत्री ने यह भी इशारा किया है कि कर सुधार एक सतत प्रक्रिया है, समय-समय पर सुधार होते रहे हैं, इससे संकेत मिलता है कि अभी अन्य कर सुधार भी संभव हैं। इसमें कोई शक नहीं कि ईमानदार करदाता की राष्ट्र-निर्माण में बड़ी भूमिका होती है। ईमानदार करदाता के जीवन को आसान बनाने के लिए अमेरिका और कुछ अन्य देशों में बेहतर प्रावधान हैं। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में कर चुकाने वालों की वक्त आने पर मदद करने की परंपरा है, जिसके तहत कोरोना के समय भी कर चुकाने वालों के लिए विशेष राहत, रियायत के प्रबंध किए गए हैं। भारत में भी ऐसे करदाताओं के बारे में सोचना चाहिए, जो वर्षों से कर चुका रहे थे, लेकिन इस बार रोजगार-धंधे के प्रभावित होने से नहीं चुका पा रहे हैं। करदाताओं को कर चुकाने में सुविधा-सम्मान देने के साथ अन्य प्रकार से भी प्रोत्साहित करने पर विचार करना चाहिए। कर मानव सभ्यता की पुरानी परंपरा है, यह जितनी सहज और शालीन हो, उतना अच्छा है।

आज के ट्वीट

जांच

कर्नाटक के चामराजनगर की एक नई SP दिव्या सारा थॉमस के बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने अंजनेय स्वामी मंदिर के पुजारी पर दबाव बनाकर यीशु और मैरी की तस्वीर लगवाई है. यह सीधे सीधे मंदिर के काम पर प्रशासन का दखल है. पुलिस अधिकारी पर कर्नाटक सरकार जांच कराकर कार्यवाही करे.

--अर्णव गोस्वामी

कोरोना से जंग के लिए लैब निर्मित वायरस

मुकुल व्यास

कोरोना वायरस पर रिसर्च करना भी वैज्ञानिकों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इस अत्यंत खतरनाक वायरस के अध्ययन के लिए उच्चस्तरीय जैविक सुरक्षा बेहद जरूरी है। रिसर्चरों को हरदम प्रोटेक्टिव सूट पहनने पड़ते हैं। प्रयोगशालाओं में काम करने वालों के लिए इस तरह के सुरक्षा उपाय आवश्यक होते हैं लेकिन इनसे कोविड-19 के लिए वैक्सीन और दवाओं पर रिसर्च का काम धीमा पड़ रहा है क्योंकि उच्च जैविक सुरक्षा वाली प्रयोगशालाओं में बहुत से वैज्ञानिकों की पहुंच नहीं है। इस समस्या को दूर करने के लिए वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के रिसर्चरों ने एक संकर (हाइब्रिड) वायरस तैयार किया है जो ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिकों को वायरस के खिलाफ जंग में शामिल होने का मौका देगा। रिसर्चरों ने एक हल्के किस्म के वायरस को आनुवंशिक रूप से संशोधित करने के बाद यह वायरस तैयार किया है। इसके लिए उन्होंने इस वायरस के एक जीन को हटाकर उसकी जगह कोरोना वायरस के एक जीन को रख दिया। इस तरह तैयार हाइब्रिड वायरस सार्स कोव-2 की तरह कोशिकाओं को संक्रमित कर सकता है और शरीर की एंटीबॉडीज उसे आसानी से पहचान सकती हैं। सामान्य सुरक्षा वाली प्रयोगशालाओं में इस वायरस का अध्ययन किया जा सकता है। सार्स-कोव-2 का सुरक्षित मॉडल तैयार करने के लिए रिसर्चरों ने 'वेसिकुलर स्टोमेटाइटिस वायरस' (वीएसवी) को चुना। यह वायरस मवेशियों, घोड़ों और सूअरों को प्रभावित करता है। वायरस वैज्ञानिक इसे रिसर्च के लिए सुरक्षित मानते हैं। दूसरी बात यह है कि इसमें आसानी से आनुवंशिक फेरबदल किया जा सकता है। यह वायरस कभी-कभार मनुष्यों को संक्रमित करके साधारण फ्लू जैसी बीमारी उत्पन्न करता है जो तीन से पांच दिन तक रहती है। वायरसों की सतह पर खास किस्म के प्रोटीन होते हैं, जिनकी मदद से वायरस कोशिकाओं को जकड़ कर उन्हें संक्रमित करता है। रिसर्चरों ने वीएसवी वायरस की सतह से प्रोटीन का जीन हटाकर उसकी जगह सार्स-कोव-2 की सतह के स्पाइक प्रोटीन का जीन लगा दिया। इस फेरबदल के बाद एक नया वायरस बना जो सार्स-कोव-2 की तरह कोशिकाओं को संक्रमित करता है। लेकिन उसके पास दूसरे जीन नहीं होते जो गंभीर बीमारी उत्पन्न करने के लिए जरूरी होते हैं। रिसर्चरों ने कोविड-19 से ठीक हो चुके मरीजों के सीरम और शुद्ध की गई एंटीबॉडीज के जरिए यह दर्शाया कि एंटीबॉडीज ने हाइब्रिड वायरस को ठीक उसी तरह पहचान लिया, जिस तरह वे कोविड-19 के मरीज के सार्स-कोव-2 वायरस को पहचान लेती हैं। जिन एंटीबॉडीज ने हाइब्रिड वायरस को कोशिकाओं को संक्रमित करने से रोका, उन्होंने सार्स-कोव-2 वायरस को भी ऐसा करने से रोक दिया। जो एंटीबॉडीज हाइब्रिड वायरस को रोकने में नाकाम रहीं, वे असली वायरस को भी नहीं रोक सकीं। हाइब्रिड वायरस से वैज्ञानिकों को कोविड-19 के इलाज के लिए बन रही एंटीबॉडी आधारित दवाओं का आकलन करने में मदद मिल सकती है। हाइब्रिड वायरस के इस्तेमाल से यह पता लगाया जा सकता है कि प्रायोगिक वैक्सीन एंटीबॉडीज उत्पन्न करने में कितनी कारगर है। इससे यह भी पता लगाया जा सकता है कि कोविड से ठीक होने वाले मरीज द्वारा डोनेट किए गए प्लाज्मा में वायरस को निष्प्रभावी करने वाली एंटीबॉडीज समुचित मात्रा में है या नहीं। इस वायरस से उन एंटीबॉडीज की भी पहचान की जा सकती है, जिनका उपयोग एंटीवायरल दवाएं बनाने के लिए किया जा सके। एक अन्य अध्ययन के जरिए वैज्ञानिकों ने बताया है कि कोरोना वायरस किस तरह हमारे शरीर में दाखिल होता है। जरा सोचिए कोई आपके घर में घुस आए और आपको पता भी न चले। कोरोना वायरस भी कुछ इसी अंदाज में हमारे शरीर में दाखिल होता है। वह कुछ ऐसी युक्ति लगाता है कि शरीर की कोशिकाएं उसे पहचान नहीं पातीं। अमेरिका में टेक्सास यूनिवर्सिटी के हैल्थ साइंस सेंटर के रिसर्चरों ने यह पता लगा लिया है कि वायरस किस तरह से शरीर की कोशिकाओं को चकमा देता है। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक योगेश गुप्ता ने बताया कि वायरस एनएसपी-16 नामक एंजाइम उत्पन्न करता है। इस एंजाइम की मदद से वह अपने मैसेंजर आरएनए में परिवर्तन कर देता है। इस परिवर्तन के बाद कोशिकाएं मैसेंजर आरएनए को अपने ही आनुवंशिक कोड का हिस्सा समझती हैं। यह एक तरह से वायरस का छद्म आवरण है। उल्लेखनीय है कि मैसेंजर आरएनए का काम शरीर में उन स्थलों पर आनुवंशिक कोड पहुंचाना है जहां प्रोटीनों का उत्पादन होता है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि एनएसपी 16 एंजाइम की त्रिआयामी संरचना के विश्लेषण से सफलता मिलने के बाद कोविड 19 और अन्य वायरसजनित बीमारियों से बचाव के लिए ज्यादा कारगर दवाएं विकसित करने में मदद मिलेगी। ये दवाएं एनएसपी 16 एंजाइम को परिवर्तन करने से रोकेंगी। इससे शरीर की प्रतिरोधी प्रणाली के लिए आक्रामक वायरस को पहचानना आसान हो जाएगा। इस बीच, वैज्ञानिकों की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने पता लगाया है कि मनुष्य की प्रतिरोधी प्रणाली द्वारा उत्पन्न एक खास प्रोटीन कोरोना वायरस सहित विभिन्न रोगाणुओं को रोक सकता है। जर्मनी, स्विट्ज़रलैंड और अमेरिका के वैज्ञानिकों ने बताया कि एलवाई 6ई प्रोटीन सभी प्रकार के कोरोना वायरसों को संक्रमण उत्पन्न करने से रोकता है। इस अध्ययन की प्रमुख लेखक, जर्मनी की स्टेफनी फांडर ने कहा कि इस खोज से कोरोना के खिलाफ नई थेरैपी विकसित करने में मदद मिलेगी। अमेरिकी रिसर्चरों, प्रो. जॉन शोगिंस और प्रो. चार्ल्स राइस ने बताया कि विभिन्न रोगों में एलवाई 6ई प्रोटीन की भूमिका होती है। हैरानी की बात यह है कि यह प्रोटीन इंफ्लुएंजा के वायरसों की संक्रामकता को बढ़ाता है जबकि कोरोना वायरसों को संक्रमण नहीं फैलाने देता। स्टेफनी फांडर पिछले कुछ समय से उन जीनो का पता लगाने की कोशिश कर रही थीं जो कोरोना वायरसों के संक्रमण को रोकते हैं। रिसर्च के दौरान यह भी पता चला कि एलवाई 6ई प्रोटीन कोरोना वायरसों और इंफ्लुएंजा के वायरसों के प्रति अलग-अलग ढंग से व्यवहार करता है। परीक्षणों के दौरान पता चला कि यह प्रोटीन मेजबान कोशिकाओं के साथ जुड़ने की वायरस की क्षमता को प्रभावित करता है। यूनिवर्सिटी ऑफ बर्न के प्रोफेसर फॉल्कर थिएल ने बताया कि यह वायरस यदि मेजबान कोशिकाओं के साथ जुड़ने में असमर्थ रहता है तो वह संक्रमण नहीं उत्पन्न कर सकता। इस अध्ययन से पता चलता है कि वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए एंटीवायरल जीन कितने महत्वपूर्ण हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

रिश्ते

जग्गी वासुदेव

अगर आप एक रिश्ता तोड़ कर बाहर आ रहे हैं, तो अपने आपको पर्याप्त समय दीजिए। आप अपने लिए कम से कम 6 महीने या 1 साल का समय रखिए जिसमें आप सिर्फ अपने आप में ही रहेंगे क्योंकि जो कुछ भी गलत हुआ, उसमें आपका 50प्र योगदान निश्चित है, है कि नहीं? तो इन 6 महीनों या 1 साल का उपयोग उस गड़बड़ी को ठीक करने में करिए। जब आपके दरवाजे पर जीवन इस तरह से दस्तक दे तो ये कुछ गहराई से देखने का समय है। जब आपके भ्रम टूट जाते हैं और आप इस समय पर यह साफ-साफ देख पा रहे हैं तो यह बहुत अच्छी बात है। अगर आपके भ्रम टूट गए हैं तो इसका मतलब है कि जीवन आपको वास्तविकता के करीब ला रहा है। आपके पास अवसर है कि आप बैठें और सोचें, 'मेरे जीवन का स्वभाव क्या है'? जब कोई आपको एक भ्रम की अवस्था में से वास्तविकता की ओर धकेल रहा है, तो आपको उस व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहिए कि वो आपके लिए एक आध्यात्मिक आयाम खोल रहा है, यह बताते हुए कि ये सब बातें कितनी नाजुक, कमजोर, अस्थायी हैं! वो आपके साथ धोखा कर सकता है, आपसे दूर भाग सकता है या कुछ और कर सकता है, पर मूल रूप से उसने आपको ठुकरा दिया है। आपको ठुकराया जा सकता है क्योंकि आप भ्रम की अवस्था में हैं और यह विश्वास करते हैं कि आप बस आधे ही जीवन हैं और बाकी आधा और कहीं से आएगा। पर ऐसा नहीं है, आप यह जो जीवन का एक भाग हैं, वो वास्तव में जीवन का पूरा भाग है, जिसमें सृष्टि और सृष्टिकर्ता, दोनों ही भरे हुए हैं-यह एक बढ़िया मेल है, जोड़ है। तो फिर ऐसा क्यों है कि यह अपने आपको अधूरा पाता है और ऐसा महसूस करता है कि जीवन को पूरा करने के लिए किसी दूसरे व्यक्ति की जरूरत है? कहीं न कहीं इसने अपने स्वभाव के पूरेपन को नहीं समझा है। अभी तो आपने इसे ऐसा बना लिया है कि यह इसके या उसके बिना नहीं रह सकता। अगर आप पूरे जीवन के रूप में खिले हों तो आप देखेंगे कि रिश्ते बिल्कुल ही अलग तरीके के होंगे। ये कुछ इस तरह से होंगे कि ज्यादा से ज्यादा साथ में आएं और एक दूसरे के साथ साझा करें। ये उससे कुछ छीन लेने के बारे में नहीं होगा।

तीन दशक के संकल्प का उपवास

अरुण नैथानी

निस्संदेह, आस्था का संकल्प मनुष्य को उन स्थितियों से जूझने का संबल देता है, जिसकी उम्मीद साधारण मनुष्य से नहीं की जा सकती। कहीं न कहीं मन में यह विश्वास होता है कि उसका आराध्य उसके साथ है। अवचेतना में इस विचार की उपस्थिति मनुष्य को अप्रत्याशित करने के लिये प्रेरित करती है। ठीक ऐसे ही जैसे मध्य प्रदेश की उर्मिला चतुर्वेदी का 28 वर्ष पूर्व लिया गया संकल्प कि वह राम मंदिर बनने पर ही अन्न ग्रहण करेंगी। पिछले दिनों जब कोर्ट के फैसले के बाद पांच अगस्त को राम मंदिर का भूमि पूजन हुआ तो उर्मिला के मन की मुराद पूरी हुई। उर्मिला का संकल्प विशुद्ध आस्था का प्रसंग है, उसका किसी राजनीतिक संस्था और संगठन से जुड़ाव नहीं है। वर्ष 1992 के घटनाक्रम ने उर्मिला को उद्वेलित किया था। तब उन्होंने संकल्प लिया था कि जिस दिन सबकी सहमति से मंदिर निर्माण शुरू होगा तब वे अन्न ग्रहण करेंगी। तब उनकी उम्र 53 साल थी। उन्होंने 28 साल तक अन्न त्याग के संकल्प को निभाया। उन पर परिजनों का अन्न न त्यागने के लिये लगातार दबाव भी था। परिवार को उनके स्वास्थ्य की चिंता थी मगर वह अपने उपवास के संकल्प से नहीं डिगी। निस्संदेह उपवास का संकल्प करना और उसे तमाम अनिश्चितताओं के बाद निभाना आसान नहीं था। सिर्फ दूध व फल पर निर्भर रहना कुछ दिन तो चल जाता है मगर उसे जीवन का हिस्सा बना लेना आसान नहीं था। वाकई इसे वर्षों तक जीवन का हिस्सा बना लेना सहज नहीं था। उर्मिला लगातार रामायण का पाठ करती रहती। कभी परिवार के लोग भी रामायण व गीता पढ़ने में उनका साथ दे देते। सुबह जल्दी उठकर पूजा करना और परिवार के बच्चों के साथ समय बिताना। इन 28 सालों में उन्हें तमाम मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा। यह एक तपस्या जैसा था। जैसे त्रेता में सबरी ने राम के प्रति आस्था जतायी थी वैसा ही संकल्प कलियुग में उर्मिला का भी था। वह समाज व रिश्तेदारी के समारोह आदि में सक्रिय भूमिका न निभा पाती। तमाम लोग उन्हें उपवास तोड़ने की नसीहत देते कि इस मुद्दे पर चली लंबी राजनीति व कोर्ट-कचहरी की प्रक्रिया से यह कहना कठिन है कि राम मंदिर कब तक बन पायेगा। लेकिन समाज में तमाम लोग ऐसे भी थे जो उनकी तपस्या की तारीफ करते और उनका मनोबल बढ़ाने का प्रयास करते। उन्हें कई बार सार्वजनिक समारोहों में सम्मानित भी किया गया। जबलपुर के विजयनगर की रहने वाली उर्मिला ने जब उपवास का संकल्प लिया तब वह 53 साल की थी। तब मन में उत्साह व जोश था तो शारीरिक रूप से भी वे सक्षम थीं। कालांतर बढ़ती उम्र के साथ कई तरह की बाधाएं भी आईं लेकिन कहावत है न कि मन के जीते जीत होती है। उनकी बहू रेखा चतुर्वेदी कहती हैं कि उन्होंने कभी भी उर्मिला में ऊर्जा की कमी महसूस नहीं की। हालांकि, बढ़ती उम्र का प्रभाव तो जीवन का सत्य है। लेकिन जब अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया तो उनका उत्साह सातवें आसमान में दस्तक देने लगा। उनकी खुशी का ठिकाना न रहा। उन्होंने अपने आराध्य को साष्टांग प्रणाम किया। यहां तक कि उन्होंने इस बहुचर्चित मामले में फैसला देने वाले जजों तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक को पत्र लिखकर आभार जताया। वह भूमि पूजन वाले दिन तक आस लगाये बैठे थी कि शायद कहीं से उन्हें भूमि पूजन का बुलावा आ ही जाये। बहरहाल, उर्मिला के मन में एक

कसक जरूर रह गई कि वह भूमि पूजन की साक्षी न बन सकी। उनकी दिली इच्छा थी कि सरयू में स्नान करके भूमि पूजन कार्यक्रम में भागीदारी करे लेकिन बढ़ती उम्र और कोरोना संकट के चलते आम लोगों की भागीदारी न होने पर बड़ी मुश्किल से परिवार ने उन्हें सांत्वना दी। उन्हें समझाया गया कि वह घर से पूजा-पाठ के जरिये इस कार्यक्रम में भागीदारी करे।

कोरोना काल में उर्मिला ने बढ़ती उम्र के लोगों में संक्रमण की आशंका के चलते खुद को अपने कमरे तक ही सीमित कर रखा था। वे अपने कमरे में अपने आराध्य की पूजा में समय बिताती थीं। अभी भी उर्मिला की दिली इच्छा है कि वह अयोध्या जाकर अपनी मुराद पूरी करे। उनकी हार्दिक इच्छा है कि यदि अयोध्या में उन्हें ठहरने के लिये जगह मिल जाये तो वह हमेशा के लिये अयोध्या की हो जायें। परिवार के लोगों ने उन्हें विश्वास दिलाया है कि वे स्थितियां सामान्य होने पर उन्हें अवश्य अयोध्या लेकर जायेंगे। वे भी उनका वर्षों पुराना संकल्प पूरा करके पुण्य में भागीदारी करना चाहते हैं। उनकी तपस्या पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने भी ट्वीट किया था 'प्रभु श्रीराम कभी अपने भक्तों को निराश नहीं करते। फिर चाहे वह त्रेतायुग की सबरी हो या आज की मैया उर्मिला। माता धन्य है आपकी श्रद्धा। यह संपूर्ण भारत आपको नमन करता है।' निस्संदेह, शुद्ध-सात्विक आस्था के रूप में उर्मिला का 28 साल का उपवास उनके दृढ़ निश्चय का ही पर्याय है।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कोका-कोला इंडिया का स्प्राइट के लिए एक नया ब्रांड अभियान शुरू

नई दिल्ली। शीतल पेय बनाने वाली कोका-कोला इंडिया ने अपने प्रमुख पेय स्प्राइट के लिए शुक्रवार को एक नया ब्रांड अभियान शुरू किया है। कंपनी की यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस अभियान में बॉलीवुड की प्रमुख हस्तियां तापसी पन्नू और आयुष्मान खुराना चार रिफ्रेशिंग फिल्मों में हैं। हर एक फिल्म में घर पर आराम करने के अनुभव के मज़ेदार और झुंझलाहट पैदा करने वाले पक्षों को दर्शाया गया है। 'न्यू नॉर्मल के अवसरों और बाधाओं के साथ तालमेल बैठाते हुए अधिकांश शूटिंग वर्चुअल की गई। इस अवसर पर कोका-कोला इंडिया और साउथ वेस्ट एशिया में स्पार्कलिंग कैटेगरी के उपाध्यक्ष श्रेनिक दसानी ने नए अभियान के बारे में कहा, ''इस अभियान का शुभारंभ हमारे उपभोक्ता केंद्रित दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। हमारे ब्रांडों ने हमेशा उपभोग के विभिन्न अवसरों के लिए मूल्यों को जोड़ने की मंशा रखी है और उनके जीवन के 'न्यू नॉर्मल में कुछ और भरोसेमंद क्षण लाने के लिए तैयार हैं। जब आप स्क्रीन के सामने अपना पसंदीदा समय बिता रहे हों, तब हम आपके लिए जिंदगी के कुछ मजेदार, बोल्ड और प्रासंगिक अनुभव लाए हैं। अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा कि स्प्राइट्स का ''बकवास हटाओ, स्प्राइट उठाओ अभियान रोजमरर के उन वास्तविक व्यवधानों के बारे में है जो हमें उन पलों में घेर लेते हैं, जब हम घर पर आराम से समय बिता रहे होते हैं। वर्तमान स्थिति में फिल्म की शूटिंग करने से कई नए अनुभव और सीख मिली। इस दौरान अभिनेत्री तापसी पन्नू ने कहा कि यह मेरे पसंदीदा अभियानों में से एक है। ''बकवास हटाओ, स्प्राइट उठाओ के पीछे का विचार वाकई मुझे प्रतिध्वनित करता है।

कोरोना वायरसः मलेशियाई अर्थव्यवस्था में रिकॉर्ड 17 प्रतिशत की गिरावट

कुआलालंपुर। कोरोना वायरस महामारी के चलते मलेशिया की अर्थव्यवस्था जून 2020 तिमाही में 17 प्रतिशत घट गई, जो वैश्विक वित्तीय संकट के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। मलेशिया के केंद्रीय बैंक ने कहा कि हालांकि मई में महामारी से संबंधित रोकथाम में राहत देने के बाद निर्यात, औद्योगिक उत्पादन और उपभोक्ता खर्च जैसे प्रमुख सूचकांकों में सुधार देखने को मिला है। केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि 2020 के दौरान अर्थव्यवस्था में 3.5 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत तक कमी आएगी। अनुमान है कि अर्थव्यवस्था 2021 में पटरी पर आ जाएगी और इस दौरान वृद्धि दर 5.5 प्रतिशत से आठ प्रतिशत के बीच रहेगी।

अरविंदो फार्मा को 2020 के अंत तक पहले, दूसरे चरण के परीक्षण की उम्मीद

हैदराबाद। दवा कंपनी अरविंदो फार्मा ने उम्मीद जताई है कि वह कोविड-19 की अपनी प्रस्तावित वैक्सीन के पहले और दूसरे चरण का परीक्षण 2020 के अंत तक करेगी, जबकि तीसरा चरण अगले साल मार्च-अप्रैल के दौरान किया जा सकता है। अरविंदो फार्मा के प्रबंध निदेशक नारायणन गोविंदराजन ने विश्लेषकों के साथ हाल में आयोजित एक वार्ता के दौरान कहा कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के दौरान 15-20 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पूंजीगत व्यय का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की वैक्सीन का विकास अमेरिका स्थित प्रोफैक्टस बायोसाइंसेज द्वारा किया जा रहा है, जिसे अरविंदो फार्मा की सहायक कंपनी ऑरो वैक्सीन एलएलसी ने अधिग्रहित किया था। गोविंदराजन के अनुसार भारत में कंपनी की वायरल वैक्सीन विनिर्माण क्षमता को दो चरणों तैयार किया जाएगा। पहला चरण अक्टूबर तक और व्यावसायिक संयंत्र अगले साल मार्च तक तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा वे (ऑरो वैक्सीन) पहले ही एक कोविड-19 वैक्सीन का विकास कर रहे हैं।

थोक महंगाई जुलाई में नकारात्मक 0.58प्रतिशत हुई, खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़े

नई दिल्ली।

थोक कीमतों पर आधारित महंगाई की दर जुलाई में नकारात्मक 0.58 प्रतिशत रही और इस दौरान खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मद्रास्फीति जून में नकारात्मक 1.81 प्रतिशत थी, जबकि मई और अप्रैल में यह क्रमश नकारात्मक 3.37 प्रतिशत और नकारात्मक 1.57 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया, ''मासिक डब्ल्यूपीआई पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर जुलाई, 2020 में नकारात्मक 0.58 (अनंतिम) प्रतिशत रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.17 प्रतिशत थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई जुलाई के दौरान 4.08 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा जून में 2.04 प्रतिशत था। हालांकि, जुलाई में ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति घटकर 9.84 प्रतिशत रह गई, जो इससे पिछले महीने में 13.60 प्रतिशत थी। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति जुलाई में 0.51 प्रतिशत थी, जो जून में 0.08 प्रतिशत थी। आरबीआई ने पिछले सप्ताह अपनी नीतिगत समीक्षा में ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखते हुए कहा था कि मुद्रास्फीति का जोखिम बना हुआ है। केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि अक्टूबर-मार्च की अवधि में खुदरा मुद्रास्फीति कुछ नरम पड़ेगी। इससे पहले गुरुवार को खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी हुए। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में खुदरा महंगाई बढ़कर 6.93 प्रतिशत हो गई। मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ने से महंगाई दर बढ़ी है। इससे पहले जून महीने में ये आंकड़े 6.23 फीसदी थे। यह लगातार दूसरा महीना है जब खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर रही है।

चीन का फैक्टरी उत्पादन जुलाई में 5प्रतिशत बढ़ा, खुदरा बिक्री घटी

बीजिंग। चीन का फैक्टरी उत्पादन जुलाई में पांच प्रतिशत बढ़ा, जबकि खुदरा बिक्री में मामूली गिरावट देखने को मिली। चीन में शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक चीन के निर्यात में सुधार के बावजूद उसकी घरेलू मांग कम बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक देश के दक्षिणी हिस्से में भारी बाढ़ के कारण भी उत्पादन और उपभोक्ता मांग प्रभावित हुई, तथा इससे खाद्य वस्तुओं की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी भी देखने को मिली। एक्सीकॉर्प के स्टीफन इनेस ने कहा कि खुदरा मांग को लेकर चिंता जारी रहने के कारण ताजा प्रोत्साहन और लक्जरी वस्तुओं पर भारी छूट देने की मांग बढ़ रही है, ताकि उपभोक्ता फिर खरीदारी करें। औद्योगिक उत्पादन एक साल पहले की तुलना में 4.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा।

एमआरएफ का मुनाफा 95 फीसदी घटा, शुद्ध लाभ 13 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। टायर बनाने वाली प्रमुख कंपनी एमआरएफ लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण जून तिमाही में उसका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ और उसका शुद्ध लाभ 95.07 प्रतिशत घटकर 13.46 करोड़ रुपये रह गया। एमआरएफ ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले की समान अवधि में परिचालन से उसका शुद्ध लाभ 273.27 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान परिचालन से आय 2,460.70 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 4,470.82 करोड़ रुपये थी। एमआरएफ ने कहा, ''कोविड-19 महामारी ने कारोबारी माहौल और अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है।कंपनी ने कहा कि 24 मार्च को देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के बाद समूह के संयंत्रों, कार्यालयों और गोदामों को बंद कर दिया गया था। बयान में कहा गया कि लॉकडाउन में चरणबद्धतरीके से राहत के बाद कामकाज फिर शुरू हुआ तरीके से राहत के बाद कामकाज फिर शुरू हुआ, लेकिन अभी यह लॉकडाउन के पहले के स्तर तक नहीं पहुंच सका है।

अब आपके घर तक दवाएं भी पहुंचाएगा अमेजन , लॉन्च हुई फार्मेसी डिलीवरी सर्विस

बिजनेस डेस्क।

ई-कॉमर्स फर्म अमेजन इंडिया ने ऑनलाइन मेडिसिन सेगमेंट में अपनी एंट्री करते हुए अमेजन फॉर्मेसी लॉन्च कर दी है। अमेजन इंडिया ने इस सर्विस को सबसे पहले बेंगलुरु में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लॉन्च किया है। कंपनी इसे जल्द ही अन्य शहरों में भी लॉन्च करेगी। बता दें कि कोविड-19 महामारी के चलते लागू लॉकडाउन और अनलॉक के दौरान मेडिसिन की मांग में तेजी आई है। सोशल डिस्टेंसिंग की वजह से ग्राहक अब ऑनलाइन कंसलटेशन, ट्रीटमेंट, मेडिकल टेस्ट्स और दवाओं की डिलीवरी को प्रमुखता दे रहे हैं। इस दौरान प्रैक्टो, नेटमेड्स, 1mg, फार्मा-ईजी और मेड लाइफ जैसे स्टार्टअप के पास ऑनलाइन सेवाओं की मांग बढ़ गई है। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध अमेजन इंडिया के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि हम अपने

ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम बेंगलुरु में अपनी फार्मेसी की शुरुआत कर रहे हैं। इससे ग्राहक प्रिस्क्रिप्शन आधारित दवाओं को घर बैठे ही ऑर्डर कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट में कंपनी की यह सुविधा ग्राहकों के लिए मददगार होगी। इस सर्विस के जरिए उन्हें दवाएं, बेसिक हेल्थ डिवाइसेज और आयुर्वेद मेडिकेशन सर्टिफाइड सेलर्स के जरिए उपलब्ध कराया जाएगा। अनुसार, इस वित्तीय वर्ष में भारत का डिजिटल हेल्थ मार्केट 4.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। जबकि वित्त वर्ष 2015 में यह 1.2 बिलियन डॉलर ही था। इस कंसल्टेंसी ने 2025 तक के अपने अनुमान को बढ़ाकर 25 अरब डॉलर तक कर दिया है। कोरोना काल से पहले यह अनुमान 19 अरब डॉलर का ही था। ऑनलाइन बाजार के एक बड़े हिस्से में अब मेडिसिन डिलिवरी का विस्तार होगा। दरअसल कोरोना में लोग अपनी इम्युनिटी को बढ़ाने के लिए इस समय तमाम तरह की दवाएं या विटामिन्स ले रहे हैं। साथ ही ऑनलाइन कंसलटेशन के जरिए लोग बीमारियों का इलाज करा रहे हैं। इससे ऑन लाइन दवाओं की मांग बढ़ गई है। ई हेल्थ प्लेटफॉर्म प्रैक्टो टेक्नोलॉजी ने ऑनलाइन कंसलटेशन में करीबन 600 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

म्यूचुअल फंड उद्योग ने जुलाई में 5.6 लाख निवेशक खाते जोड़े, ऋण कोषों का आकर्षण बढ़ा

नयी दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग के निवेशक खातों की संख्या में जुलाई 2020 के दौरान 5.6 लाख की वृद्धि हुई, जिसके साथ कुल निवेशक खातों की संख्या बढ़कर 9.2 करोड़ हो गई। इस बढ़ोतरी में मुख्य रूप से ऋण योजनाओं का योगदान रहा। इससे पहले जून में उद्योग ने पांच लाख नए खातों को जोड़ा था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के मुताबिक 45 म्यूचुअल फंड कंपनियों के खातों की संख्या बढ़कर 9.21 करोड़ हो गई, जो जून के अंत में 9.15 करोड़ थी। इसमें 5.63 लाख की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान कुल नए खातों में चार लाख से ज्यादा डेट कोषों में जोड़े गए। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि खातों की संख्या में बढ़ोतरी से पता चलता है कि निवेशक बाजार में उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं हुए। साथ ही वे म्यूचुअल फंड योजनाओं से जुड़े बाजार जोखिमों के बारे में अच्छी तरह समझते हैं। इस क्षेत्र ने मई में 6.13 लाख निवेशक खाते, अप्रैल में 6.82 लाख निवेशक खाते और मार्च में 9.1 लाख निवेशक खाते जोड़े। गौरतलब है कि एक निवेशक के पास कई निवेशक खाते हो सकते हैं। मॉर्निंगस्टार इंडिया के हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि मार्च के महीने में बाजार में हुई तेज गिरावट ने निवेशकों को इक्विटी बाजारों में निवेश करने का एक अच्छा आधार दिया।

टाटा संस जल्द ही खरीद सकता है एयर इंडिया को, डील पर हो रहा है विचार

नई दिल्ली।

टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया का मूल्यांकन करना शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि इस महीने के अंत तक वह अपनी बोली लगा देगा। कुछ अधिकारियों ने कहा कि जब तक मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती है, इस पर बात करना जल्दबाजी होगी। टाटा संस के प्रवक्ता ने कहा कि टाटा संस अभी इस प्रस्ताव का मूल्यांकन कर रहा है और उसके बाद ही सही वक्त आने पर बोली लगाएगा। उन्होंने ये भी कहा कि अभी कंपनी की ऐसी कोई योजना नहीं है कि कोई फाइनेंशियल पार्टनर लाया जाए। एयर इंडिया के सही मूल्यांकन के लिए टाटा ग्रुप अभी लीगल फर्म और कंसल्टेंट्स के साथ बातचीत कर रहा है। ये भी बातें हो रही हैं कि टाटा ग्रुप जल्द ही एयर एशिया इंडिया और एयर इंडिया का मर्जर कर सकता है। बता दें कि एयर एशिया इंडिया में टाटा संस की 51 फीसदी हिस्सेदारी है। यानी हो सकता है कि जल्द ही एयर इंडिया मर्ज होकर सिर्फ एयर एशिया इंडिया कंपनी ही बचे। हालांकि, टाटा ग्रुप के अधिकारियों ने ये बात साफ की है कि इस पर अभी कोई आधिकारिक चर्चा नहीं हुई है। यानी हो सकता है कि जल्द ही एयर इंडिया मर्ज होकर सिर्फ एयर एशिया इंडिया कंपनी ही बचे। हालांकि, टाटा ग्रुप के अधिकारियों ने ये बात साफ की है कि इस पर अभी कोई आधिकारिक चर्चा नहीं हुई है। बता दें कि एयर एशिया इंडिया के अलावा 5 साल पुरानी एयरलाइन विस्तारा में भी टाटा ग्रुप की हिस्सेदारी है। विस्तारा में सिंगापुर एयरलाइंस की 49 फीसदी की हिस्सेदारी है। मुंबई के एक लीगल एक्सपर्ट का कहना है कि एयर इंडिया को खरीदना काफी जटिल प्रस्ताव है। इसके लिए बहुत सारी लीगल समझ होना जरूरी है। साथ ही स्टेकहोल्डर्स का समर्थन और सरकार की मदद की जरूरत होगी। साथ ही स्टेकहोल्डर्स का समर्थन और सरकार की मदद की जरूरत होगी।

वर्जिन अटलांटिक दो सितंबर से फिर शुरू करेगी लंदन से दिल्ली की उड़ान, मुंबई के लिए 17 सिंतबर से

मुंबई। ब्रिटेन की एयरलाइन वर्जिन अटलांटिक ने लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से अपनी दिल्ली और लंदन की उड़ानें फिर शुरू करने की घोषणा की है। वर्जिन अटलांटिक ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह एयर बबल करार के तहत दो सितंबर से इन उड़ानों की शुरुआत करने जा रही है। एयर बबल करार एक द्विपक्षीय व्यवस्था है जिसके तहत दोनों देशों की एयरलाइंस कुछ नियमनों और अंकुशों के साथ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन कर सकती हैं। वर्जिन अटलांटिक की योजना दिल्ली से लंदन के हीथ्रो हवाईअड्डे के लिए दो सितंबर से सप्ताह में तीन उड़ानों के परिचालन करने की है। वहीं मुंबई की उड़ानें 17 सितंबर से शुरू होंगी। मुंबई के लिए सप्ताह में चार उड़ानों का परिचालन किया जाएगा। मुंबई के लिए सप्ताह में चार उड़ानों का परिचालन किया जाएगा। एयरलाइन ने कहा कि भारत के इन दो शहरों के लिए उड़ानों का परिचालन ब्रिटेन और भारत के बीच हुए एक करार के तहत किया जाएगा। एयरलाइन ने कहा कि दोनों गंतव्य न्यूयॉर्क जेकेएफ के लिए संपर्क उपलब्ध कराएंगे। इन उड़ानों के लिए 787-9 ड्रीमलाइनर विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा।

आयकर विभाग ने ई-आकलन योजना को 'फेसलेस' आकलन से जोड़ा

नई दिल्ली।

आयकर विभाग ने बृहस्पतिवार को अपनी ई-आकलन योजना को संशोधित करते हुये इसे पहचान रहित (फेसलेस) आकलन से संबद्ध कर दिया। पिछले साल शुरू ई-आकलन योजना को संशोधित करते हुए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने ई-आकलन योजना का नाम बदलकर 'फेसलेस आकलन योजना' को अधिसूचित कर दिया है। बोर्ड ने 'बेस्ट जजमेंट' यानी सर्वश्रेष्ठ निर्णय वाले आकलन मामले में भी 'फेसलेस' का दायरा बढ़ाया है। यह ऐसा मामला होता जहां करदाता कर अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं करते। करदाता को पहले से सूचना दी जाएगी कि उनका आकलन 'फेसलेस' आकलन योजना के अंतर्गत किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ निर्णय मूल्यांकन से आशय कर अधिकारी के वैसे मामलों के सर्वोत्तम निर्णय से है, जहां करदाता मूल्यांकन पूरा करने के लिए पर्याप्त जानकारी नहीं देता या सहयोग नहीं करता। संशोधित योजना के तहत राष्ट्रीय ई-आकलन केंद्र (एनईएसी) के प्रधान आयकर मुख्य आयुक्त/प्रधान आयकर महानिदेशक को करदाता के आग्रह या विशेष परिस्थिति में मामले उपयुक्त आकलन अधिकारी के पास भेजने का अधिकार दिया गया है। साथ ही एनईएसी को करदाता को ब्योरा देने के लिये अतिरिक्त समय देने या मामले को 'बेस्ट जजमेंट' आकलन के लिये भेजने का अधिकार दिया गया है। अगर करदाता समय पर जवाब देने में विफल रहता है, एनईएसी इस बारे में आकलन इकाई को सूचित करेगा। आकलन इकाई सभी तथ्यों को देखने के बाद आकलन मसौदा आदेश तैयार करेगा।

रतन टाटा, नारायण मूर्ति, उदय कोटक सहित 40 हस्तियों ने पारदर्शी कराधान मंच कार्यक्रम में भाग लिया

नयी दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बृहस्पतिवार को 'पारदर्शी कराधान- ईमानदार का सम्मान' मंच के शुभारंभ के मौके पर उद्योगपति रतन टाटा, रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास, टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन सहित उद्योग, बैंकिंग क्षेत्र और स्वायत्त निकायों के 40 गणमान्य लोग मौजूद थे। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये इस मंच की शुरुआत करते हुए मोदी ने कहा कि 130 करोड़ की आबादी वाले भारत में सिर्फ 15 करोड़ लोग कर अदा करते हैं। उन्होंनें कहा कि जिन लोगों पर कर की देनदारी बनती है वे आगे आएं और ईमानदारी से कर अदा कर राष्ट्र निर्माण में योगदान करें। सरकारी सूत्रों ने कहा कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये आयोजित इस आयोजन में उद्योग, बैंकिंग, न्यायिक और स्वायत्तशासी निकायों, सरकारी विभागों तथा अर्थशास्त्रियों सहित कुल 40 गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम में भागीदारी की। इस कार्यक्रम में दिग्गज उद्योगपति आदि गोदरेज, इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति, आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला, भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल, महिंद्रा समूह के चेयरमैंन आनंद महिंद्रा, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष उदय कोटक, फिक्की की अध्यक्ष संगीता रेड्डी, पीडीएचसीसीसीआई के अध्यक्ष डीके अग्रवाल तथा एसोचैम के अध्यक्ष निरंजन हीरानंदानी ने भाग लिया। सूत्रों ने बताया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी तथा अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी अपने पहले से तय कार्यक्रम की वजह से इस आयोजन में भाग नहीं ले पाए। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख अजय त्यागी, इरडा के प्रमुख एस सी खुंटिया, नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार, नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कान्त और आईटीएटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति पी पी भट्ट भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

इसके अलावा सभी प्रमुख बैंकों... एसबीआई, पीएनबी, आईडीबीआई, केनरा बैंक, यूबीआई, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रमुख तथा प्रमुख अर्थशास्त्री शेखर शाह, पार्थ मुखोपाध्याय, नितिन देसाई, शंकर आचार्य तथा अरविंद विरमानी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

कोविड-19 महामारी के चलते बदला एयर कार्गो कारोबार का गणित, हवाई मालवहन 57 प्रतिशत घटा

कोलकाता।

एएआई कार्गो लॉजिस्टिक्स एंड एलाइड सर्विसेज कंपनी (एएआईसीएलएएस) के सीईओ केतु बी गजडर ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने एयर कार्गो उद्योग के पूरे गणित को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जून, 2020 के दौरान घरेलू हवाई मालवहन में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 74 प्रतिशत की कमी हुई, जबकि इस दौरान अंतरराष्ट्रीय हवाई मालवहन 57 प्रतिशत घटा। गजडर ने पीटीआई-भाषा को बताया कि महामारी ने एयर कार्गो उद्योग के पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। मालवहन विमानों के अलावा यात्री विमानों का इस्तेमाल भी फलों और सब्जियों जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए किया गया।

उन्होंने कहा कि महामारी के कारण वैश्विक स्तर पर उद्योग प्रभावित हुआ है, हालांकि एयर कार्गो उद्योग ने देश भर में

लॉकडाउन की शुरुआत के बाद कार्गो को उड़ानों को लगातार जारी रखा। उन्होंने कहा कि एयर कार्गो उद्योग ने सफलतापूर्वक पश्चिम एशिया, चीन और दक्षिण पूर्व की मांगों को पूरा किया है।

गांवों से शहरों की ओर पलायन नहीं रोका गया तो आर्थिक वृद्धि होगी प्रभावितः अडाणी

नई दिल्ली।

जाने-माने उद्योगपति गौतम अडाणी ने कहा कि जब तक ग्रामीण आबादी को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार उपलब्ध कराने के विकास मॉडल के साथ गांवों से शहरों की ओर पलायन को रोका नहीं जाता है तब तक देश की आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है। गुजरात के आणंद स्थित ग्रामीण प्रबंधन संस्थान के छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कृषि और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने के लिये संकुल आधारित नीतियों और डिजिटल प्रौद्योगिकी अपनाने का आह्वान किया। अडाणी ने कहा देश में प्रवासी कामगारों की कुल संख्या 10 करोड़ से ज्यादा है। देश में हर चार में से एक प्रवासी मजदूर है। कुछ प्रवास लाभकारी है। हालंकि जब तक आप गांवों से शहरों में पलायन से नहीं निपटते हैं, भारत की वृद्धि प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण-शहरी असंतुलन अवसरों की असमानता में प्रतिबिंबित होता है जिसका समाधान किये जाने की जरूरत है। अडाणी ने कहा मुझे उम्मीद है कि आप सभी को कोविड-19 संकट के कारण लाखों की संख्या में प्रवासी मजदूरों के अपने गांवों की ओर लाटैने की तस्वीरें स्पष्ट तौर पर याद होंगी। उन्हेंने कहा पहले से कहीं अधिक, यह जरूरी हो गया है कि हम ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मॉडल विकसित करें जहां स्थानीय आबादी को उनके घर के पास ही रोजगार मिल

सके। इसका मतलब है कि हमें इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है कि हमारी स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का ढांचा किस प्रकार का है और कैसे उन्हें स्थापित किया गया है। बंदरगाह से लेकर बिजली क्षेत्र तक में काम करने वाले अडाणी समूह के प्रमुख ने इस्राइल का उदाहरण दिया। इस्राइल ने आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ ग्रामीण संस्कृति (किबबुत्ज) को मिलाया और आत्मनिर्भरता हासिल की। उन्होंने कहा कोविड-19 संकट ने हमें हमें ग्रामीण विकास मॉडल पर पुनर्विचार के लिये मजबूर किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिस्कवरी प्लस ऐप पर होगा मोटो जीपी विश्व चैम्पियनशिप का सीधा प्रसारण

मुंबई । भारत में रफ्तार के रोमांच के शौकिनों के लिएमोटो जीपी विश्व चैम्पियनशिप का डिस्कवरी प्लस ऐप सीधा प्रसारण करेगा जिसकी शुरूआत 15 और 16 अगस्त को होने वाली ऑस्ट्रियन ग्रा प्री से होगी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यूरो स्पोर्ट्स एसडी एवं एचडी चैनल पर इसका टेलीविजन प्रसारण जारी रहेगा । मोटो जीपी के मौजूदा सत्र में 11 रेस बची हुई हैं। इसमें डिस्कवरी दक्षिण एशिया के डिजिटल व्यपार प्रमुख इस्साक जॉन ने कहा कि हम मोटो जीपी के प्रशंसाकों को लिए इसका सीधा प्रसारण कर के खुश हैं।इसमें डिस्कवरी दक्षिण एशिया के डिजिटल व्यपार प्रमुख इस्साक जॉन ने कहा कि हम मोटो जीपी के प्रशंसाकों को लिए इसका सीधा प्रसारण कर के खुश हैं।

फाइनल शतरंज

एमजी टूर ग्रांड फाइनल शतरंज - रोमांचक जीत के साथ कार्लसन भी अब पहुंचे फाइनल

नॉर्वे ।

मेगनस कार्लसन आमंत्रण लीग के अंतिम चरण ग्रांड फाइनल टूर्नामेंट के सेमी फाइनल मुक़ाबले पूरे हो गए और अब अमेरिका के हिकारु नाकामुरा और विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन कल से बेस्ट ऑफ 7 दिन का सुपर फ़ाइनल खेलते नजर आएंगे । नाकामुरा तो पहले ही रूस के डेनियल डुबोव को 3-0 से हराकर फाइनल पहुँच गए थे और अब मेगनस कार्लसन नें आखिरकार लगातार तीसरे दिन चीन के विश्व नंबर 3 डिंग लीरेन को पराजित करते हुए फाइनल मे जगह बना ली है । दोनों के बीच चौंथे दिन एक बार फिर जोरदार मुक़ाबला हुआ और पहले ही रैपिड मे कार्लसन नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए सेमी स्लाव ओपनिंग मे 45 चालों मे जीत दर्ज करते हुए अच्छी शुरुआत की ।

तो दूसरे मुक़ाबले मे काले मोहरो से खेल रहे कार्लसन के किंग्स इंडियन को डिंग नें ध्वस्त करते हुए 31 चाल मे कार्लसन को मात देते हुए स्कोर 1-1 कर दिया । तो दूसरे मुक़ाबले मे काले मोहरो से खेल रहे कार्लसन के किंग्स इंडियन को डिंग नें ध्वस्त करते हुए 31 चाल मे कार्लसन को मात देते हुए स्कोर 1-1 कर दिया । इसके बाद दोनों के बीच दो और रैपिड ड्रॉ रहे और ऐसे मे 2-2 के स्कोर से पहला टाईब्रेक खेला गया जिसमें दो 5मिनट +3 सेकंड के मुक़ाबले खेले गए और इसमें भी पहला मैच ड्रॉ रहा पर असली रोमांच शुरू हुए आखिरी ब्लिट्ज़ मुक़ाबले मे जिसमें कार्लसन नें काले मोहरो से बोगो इंडियन ओपनिंग का सहारा लिया और जीत के बिलकुल नजदीक पहुँच गए बाजी जीतकर 3.5-2.5 के स्कोर से दिन अपने नाम करते हुए फाइनल मे प्रवेश कर लिया ।

गंभीर की पत्नी ने नहीं देखा 2011 विश्व कप फाइनल, रोचक वजह आई सामने

नई दिल्ली ।

भारत की 2011 विश्व कप जीत में सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का अहम रोल रहा था। 2007 में जब भारतीय टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था तब भी गंभीर ने फाइनल में सर्वाधिक रन बनाए थे। 2011 फाइनल में भी उन्होंने टीम इंडिया के लिए 98 रन बनाकर टीम इंडिया को मजबूत शुरुआत दी थी। अब गौतम गंभीर ने श्रीलंका के खिलाफ खेले गए उक्त फाइनल से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया है जोकि मजेदार है। दरअसल, गंभीर रौणक कपूर के साथ एक इंटरव्यू कर रहे थे। तभी रौणक ने पूछा- क्या विश्व कप फाइनल की कोई ऐसी घटना याद है जो आपको हैरान करती है। इस पर गंभीर ने कहा- हां, यह घटना पत्नी नताशा से जुड़ी हुई है। मैं फाइनल को लेकर काफी उत्साहित था। मैं चाहता था कि मेरा परिवार फाइनल देखे।

नताशा के भाई और बहन भी वहीं मौजूद थे लेकिन नताशा वहां नहीं थी। मैंने उसे कॉल किया। आप कहां है। फाइनल नहीं देखना है। तो आगे से जवाब आया। हां, ठीक है। लेकिन क्या यह जरूरी है। मैं बोला- हां बिल्कुल जरूरी है। यह फाइनल है। तो आगे से आवाज आई। दरअसल मैं सिर्फ एक क्रिकेट मैच के लिए मुंबई की हवाई यात्रा नहीं करना चाहती। गंभीर की बात सुनकर रौणक भी मुस्करा दिए। बता दें कि नताशा और गंभीर की शादी अक्तूबर 2011 में गुरुगांव में हुई थी। दोनों लंबे समय से एक दूसरे को जानते थे। गंभीर और नताशा के पिता आपस में मित्र थे। इसी कारण उनकी मुलाकात भी हुई। नताशा को फैशन बेहद पसंद है तो वहीं गंभीर को क्रिकेट। अलग राहें होने के बावजूद दोनों ने एक दूसरे का अपने पेरेंट्स की मर्जी से साथ स्वीकार किया। विश्व कप से पहले ही गंभीर नताशा से सगाई कर चुके थे।

सचिन के पहले टेस्ट शतक के 30 साल पूरे, 17 साल की उम्र में हासिल की थी उपलब्धि

स्पोर्ट्स डेस्क। टीम इंडिया के दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने आज ही के दिन 30 साल पहले इंगलैंड के ओल्ड ट्रैफफोर्ड मैदान पर टैस्ट करियर का पहला शतक लगाया था। शतक लगाते वक्त सचिन की उम्र 17 साल 112 दिन थी। वह ओवरऑल तीसरे प्लेयर हैं जिन्होंने इतनी कम उम्र में टैस्ट में शतक लगाया। उनसे आगे मुश्ताक मोहम्मद और मोहम्मद अशरफुल का नाम है। तेंदुलकर के इस शतक की खसियत यह थी कि उन्होंने भारतीय टीम को इंगलैंड से हार से बचा लिया था। इंगलैंड ने पहले खेलते हुए 519 रन बनाए थे। ग्राहम गूच, माइक अर्थटन और आर. स्मिथ ने शतक जड़े। जवाब में भारतीय टीम ने पहली पारी में 432 रन बनाए। पहली पारी में भी सचिन ने 68 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 320 रन बनाकर टीम इंडिया को मजबूत लक्ष्य दिया। टीम इंडिया जब 127 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी तब सचिन मैदान पर आए। उन्होंने 189 गेंदों में 17 चौकों की मदद से 119 रन बनाए। उनका साथ मनोज प्रभाकर ने बाखूबी दिया। प्रभाकर 128 गेंदों में 67 रन बनाकर उनके साथ डटे रहे। भारत ने आखिरकार मैच को ड्रा करवा लिया। तेंदुलकर और प्रभाकर करीब दो सेशन तक पिच पर डटे रहे। तेंदुलकर को उनकी जुझारू पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया था। बता दें कि सचिन तेंदुलकर ऐसे पहले क्रिकेटर हैं जिनके नाम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक दर्ज हैं।

डीविलियर्स ने दी थी धमकी, इस खिलाड़ी को टीम में रखा तो भारत दौरे से वापस लौट जाउंगा

स्पोर्ट्स डेस्क ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डीविलियर्स ने 2015 में भारत दौरे को लेकर धमकी दी थी कि अगर खाया जोंडो को सिलेक्ट किया गया तो वह टीम हिस्सा नहीं होंगे। इस बात का खुलासा एक न्यूज रिपोर्ट में किया गया है। उस दौरान जोंडो टूर का हिस्सा थे लेकिन उन्होंने भारत के खिलाफ एक भी मैच नहीं खेला था। दक्षिण अफ्रीका के न्यूज आउटलेट की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के खिलाफ पांचवें वनडे के लिए टीम लिस्ट में खाया जोंडो का नाम था, लेकिन डीविलियर्स ने चयनकर्ताओं न डीविलियर्स ने चयनकर्ताओं ने चयनकर्ताओं को धमकी थी कि अगर जोंडो प्लेइंग इलेवन में शामिल हुआ तो वह दौरे के बीच ही वापस लौट जाएंगे। डीविलियर्स के इसी फैसले के कारण जोंडो को बेंच पर बैठना पड़ा था और चोटिल जेपी डुमिनी की जगह डीन एलेगर को विकल्प के रूप में भारत भेजा गया था। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर एश्वेल प्रिंस ने पिछले सप्ताह जोंडो के साथ हुए दुर्व्यवहार पर ट्वीट करते हुए लिखा था, कुछ प्रोटियाज फैंस इस सप्ताह सोशल मीडिया पर जो पढ़ा, उसे जानकर हैरान या निराश हो सकते हैं। सच कहा गया। करीब 10 साल से वहां कभी एकता नहीं रही। 2005 में ऑस्ट्रेलिया दौरे से लेकर हम लोग कई बार नस्लभेद के शिकार हुए। जब हम इस पर ध्यान लेकर आए, तो हमें कहा गया- यह तो कुछ लोग कहते हैं, बहुमत नहीं। चलिए मैदान में लौटते हैं। 2007 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमारा स्कोर 60/6 था, किसे इस बदलाव का दोषी ठहराएं। बिलकुल कोई मालिकाना हक नहीं।

तो हमें कहा गया- यह तो कुछ लोग कहते हैं, बहुमत नहीं। चलिए मैदान में लौटते हैं। 2007 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमारा स्कोर 60/6 था, किसे इस बदलाव का दोषी ठहराएं। बिलकुल कोई मालिकाना हक नहीं।

संक्षिप्त समाचार

एडम्स के गोल से लेपजिग चैम्पियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंचे

लिस्बन। मिडफील्डर टेलर एडम्स के 88वें मिनट में किये गये गोल की बदौलत लेपजिग गुरूवार को चैम्पियंस लीग के फुटबॉल मुकाबले में एटलेटिको मैड्रिड को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश करने में सफल रहा। एडम्स ने स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे और उन्होंने जर्मनी के क्लब को पहली बार यूरोप के इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचाया। क्लब के लिए भी यह उनका पहला गोल है। लेपजिग के लिये दानी ओल्मो ने 51वें मिनट में गोल कर बढ़त दिलायी। लेकिन 71वें मिनट में एटलेटिको ने जाओ फेलिक्स के गोल की मदद से इसे बराबर कर लिया।

आईपीएल के कारण इंग्लैंड दौरे पर नहीं जाएंगे ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडोनल्ड

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के सीनियर सहायक कोच एंड्रयू मैकडोनल्ड इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी फ्रेंचाइजी राजस्थान रायल्स के साथ पूर्व प्रतिबद्धता के कारण अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर नहीं जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के बयान के अनुसार, 'आस्ट्रेलियाई पुरूष टीम के सीनियर सहायक कोच एंड्रयू मैकडोनल्ड इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रायल्स के मुख्य कोच के तौर पर पूर्व प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिये इंग्लैंड का दौरा करने वाली टीम के साथ नहीं जाएंगे। पूर्व आस्ट्रेलियाई आल राउंडर ने पिछले साल राजस्थान रायल्स में पैडी उपटन की जगह मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। ऑस्ट्रेलिया को चार से 16 सितंबर तक तीन टी20 और तीन वनडे खेलने के लिये इंग्लैंड का दौरा करना है। आईपीएल का 13वां चरण कोविड-19 महामारी के कारण भारत से बाहर संयुक्त अरब अमीरात में 19 सितंबर से 10 नवंबर तक खेला जाएगा। राजस्थान रायल्स के 20 अगस्त को संयुक्त अरब अमीरात रवाना होने की उम्मीद है। मैकडोनल्ड आईपीएल खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई पुरूष टीम से जुड़ जाएंगे।

क्रिकेटर करन तिवारी की मौत पर दहला अश्विन का दिल, चिंता जताकर कही यह बात

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मुंबई के क्रिकेटर करन तिवारी की कथित आत्महत्या पर कहा कि युवाओं को अब हालात से अभ्यस्त होना सीखना होगा। अश्विन ने ट्वीट कर कहा- मुंबई के क्रिकेटर का निधन एक रियलिटी चेक है। उन्होंने अपना जीवन समाप्त करने का निर्णय लिया क्योंकि वह अस्वीकार किये जाने को झेल नहीं सकें। हमारा भविष्य युवाओं के कंधों पर है और उन्हें अपनी जीवन की यात्रा में हर हालात से अभ्यस्त होना सिखाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा- जो लोग क्रिकेट या किसी अन्य क्षेत्र में सफलता पाने की सोच रहे हैं उन्हें स्कूल और कॉलेज में करियर के विभिन्न विकल्प से अवगत कराया जाना चाहिए। मुंबई के क्रिकेटर करन तिवारी ने सोमवार रात मुंबई में अपने घर पर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। कुरार पुलिस थाने एक आकस्मिक मौत की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

कोविड-19 से रूकावट ने ओलंपिक क्वालीफाई करने की कोशिश में लगे पहलवानों की चुनौती बढ़ा दी: बजरंग

नयी दिल्ली।

भारत के शीर्ष पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी ने उन खिलाड़ियों की चुनौतियों को बढ़ा दिया है जो एक साल तक स्थगित हुए तोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल करने की कोशिश में लगे हैं। बजरंग ने कहा कि ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके उनके जैसे पहलवानों के पास एक ही लक्ष्य है कि इसके लिए सर्वश्रेष्ठ संभावित तरीके से अभ्यास करें। बजरंग 65 किलोग्राम भार वर्ग में दुनिया के शीर्ष पहलवानों में शामिल है। उन्होंने हाल ही में इंस्पायर इंस्टिट्यूड ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) में अभ्यास शुरू किया है जहाँ जॉर्जियाई कोच शाको बेंटिनिडिस भी उनके साथ है। बजरंग ने आईआईएस की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक वेबिनार में कहा , '' मेरा एक स्पष्ट लक्ष्य है कि मुझे ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना है। यह उन लोगों के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण है जिन्होंने अभी तक क्वालीफाई नहीं किया है। मैं नहीं कह सकता कि मेरे प्रदर्शन में सुधार हुआ है या नहीं क्योंकि कोई प्रतियोगिता नहीं हो रही है।'' भारत के चार पहलवानों- बजरंग, दीपक पूनिया (86 किग्रा), रवि दहिया (57 किग्रा) और विनेश फोगाट (महिला 53 किग्रा) ने अगले साल होने वाले ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। बजरंग ने कहा, '' हम सभी लॉकडाउन में है लेकिन मैंने एक दिन भी अभ्यास नहीं छोड़ा।

बहुत कुछ इस बात पर भी निर्भर करता है कि आपके आस पास कैसे लोग हैं, वो आपको प्रेरित करते हैं या नहीं। मेरे आसपास अच्छे लोग हैं।'' इस वेबिनार में विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता पूजा ढांडा ने भी कहा कि प्रतिस्पर्धा की कमी ने पहलवानों के हौसले को कम किया है। प्रतिस्पर्धा की कमी ने पहलवानों के हौसले को कम किया है। पूजा ने कहा, '' किसी प्रतियोगिता से डेड़ महीने पहले पूरा ध्यान उस पर ही होता है, शरीर से भी उसी मुताबिक प्रतिक्रिया मिलती है। जब प्रतियोगिता होती है तो हम अपने प्रतिद्वंद्वियों का आकलन कर सकते हैं, इसलिए प्रतिस्पर्धा न होना निश्चित रूप से खेल को प्रभावित कर रहा है।'' दोनों पहलवानों ने यह भी पुष्टि की कि ओलंपिक भार वर्ग के पहलवानों के लिए राष्ट्रीय शिविर सोनीपत (पुरुष) और लखनऊ (महिला) में एक सितंबर से शुरू होगा। इस वेबिनार में आईआईएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रुश्दी वारली और जेएसडब्ल्यू 'स्पोर्ट्स एक्सीलेंस एंड स्काउटिंग' प्रमुख मनीषा मल्होत्रा ने भी भाग लिया।

जोकोविच ने दिया ईशारा- खेल सकते हैं यूएस ओपन में

बेलग्रेड । टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने पुष्टि की कि वह यूएस ओपन में हिस्सा लेंगे, जो कोरोनोवायरस प्रकोप के बाद खेल को फिर से शुरू करने के बाद से पहला ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है। जोकोविच ने ट्वीट किया- मुझे इस बात की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि मैं इस साल सिनट टेनिस और यूएस ओपन में भाग लूंगा। 17 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने कहा- कई बाधाओं और चुनौतियों का सामना करना आसान नहीं था, लेकिन कई बार प्रतिस्पर्धा की संभावना ने मुझे वास्तव में उत्साहित कर दिया। यूएस ओपन 31 अगस्त 31 अगस्त को न्यूयॉर्क में बंद दरवाजों के पीछे से गुजरने के कारण है। इससे पहले, गत चैंपियन राफेल नडाल ने कोविड-19 महामारी पर चिंताओं के बीच यूएस ओपन से खुद को हटा लिया था। नडाल ने ट्विटर पर कहा- कई विचारों के बाद, मैंने इस साल के यूएस ओपन में नहीं खेलने का फैसला किया है। स्थिति दुनिया भर में बहुत जटिल है, और कोविड के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि हमारे पास अभी भी इस पर नियंत्रण नहीं है। हम जानते हैं कि इस साल खेल कम हो गया है। टेनिस कैलेंडर से 4 महीने बर्बाद हो गए हैं। मैं समझता हूं। धन्यवाद। स्थिति दुनिया भर में बहुत जटिल है, और कोविड के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि हमारे पास अभी भी इस पर नियंत्रण नहीं है। हम जानते हैं कि इस साल खेल कम हो गया है। टेनिस कैलेंडर से 4 महीने बर्बाद हो गए हैं। मैं समझता हूं। धन्यवाद।

जावेद मियांदाद पर बरसा भारतीय कोच, कहा- तुम्हारी मानसिक स्थिति ठीक नहीं लगती

स्पोर्ट्स डेस्क । पाकिस्तान के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक रहे पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने हाल ही में पाकिस्तान के पीएम इमरान खान को लेकर कहा था कि जब से वह पीएम बने हैं खुद को खुदा समझने लगे हैं। इस पर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर और नेशनल क्रिकेट टीम के कोच मदन लाल ने बड़ा बयान दिया है। मदन लाल ने कहा कि उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं लगती। एक स्पोर्ट्स चैनल से बातचीत के दौरान मदन लाल ने कहा, वह जो भी बोल रहे हैं, इसका कोई तुक नहीं है। इससे पता चलता है कि वह कितने शिक्षित हैं। इससे पहले उन्होंने कश्मीर मुद्दे और हमारे प्रधानमंत्री पर भी टिप्पणी की थी। मुझे लगता है कि वह मानसिक रूप से थोड़े अस्थिर हैं। गौर हो कि मियांदाद ने अपने यूट्यूब चैनल पर इमरान खान को खरी-खरी सुनाते हुए कहा था, मैं तुम्हारा कप्तान था, तुम मेरे कप्तान नहीं थे। मैं पॉलिटिक्स में आने के बाद तुमसे बात करूंगा। मैंने हमेशा तुम्हारा नेतृत्व किया, लेकिन अब तुम खुदा बन गए हो।तुम समझते हो कि पूरे मुल्क में तुम अकेले समझदार इंसान हो और दूसरा कोई ऑक्सफर्ड या कैम्ब्रिज या पाकिस्तान की ही किसी दूसरी यूनिवर्सिटी में नहीं गया है। लोगों के बारे में सोचो। तुम समझते हो कि पूरे मुल्क में तुम अकेले समझदार इंसान हो और दूसरा कोई ऑक्सफर्ड या कैम्ब्रिज या पाकिस्तान की ही किसी दूसरी यूनिवर्सिटी में नहीं गया है। लोगों के बारे में सोचो।

सीपीएल18 से शुरू : 5 आईपीएल स्टार भी धमाल मचाने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

कोविड-19 के दौर में भी क्रिकेट की लगातार वापसी हो रही है। इंगलैंड टीम वेस्टइंडीज से टेस्ट सीरीज खेलने के बाद अब पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है। इसी बीच कैरेबियन प्रीमियर लीग की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। यह टूर्नामेंट 18 सितंबर से शुरू होने वाला है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि उक्त टूर्नामेंट में आईपीएल के कौन से बड़े स्टार हिस्सा लेने जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेजतर्रार बल्लेबाज क्रिस लिन भी धमाल मचाने की तैयारी में हैं। क्रिस लिन 41 आईपीएल मैचों में 33 की औसत से 1280 रन बना चुके हैं। वह ओपनर हैं और उनकी स्ट्राइक रेट 140 से भी ज्यादा है। वह सेंट किट्स एंड नेविस पैटिरॉयट्स के लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

राशिद खान : बारबाडोस ट्रिडेंट्स

21 साल के राशिद खान भी सीपीएल में धमाल मचाते नजर आएंगे। राशिद आईपीएल में 46 मैच खेलकर 55 विकेट चटका चुके हैं। इनकी इकोनमी और औसत बेहद अच्छी है। साथ्म ही कभी कभी वह बल्ले से भी धमाल मचाने के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल में उनकी स्ट्राइक रेट 165 से भी ज्यादा है। चौकों से ज्यादा वह छक्के लगाने के लिए जाने जाते हैं।

इमरान ताहिर- गुयाना अमेजन वॉरियर्स

इमरान भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं लेकिन घरेलू लीग में वह अभी भी उतर रहे हैं। इमरान धोनी के नेतृत्व वाली सीएसके टीम के बॉलर हैं। वह 55 मैचों में 20 की औसत से 79 विकेट हासिल कर चुके हैं। सीएसके की ओर से बॉलिंग करते वक्त कई बार उन्होंने अपनी बॉलिंग के दम पर ही कई मैच पलटे हैं।

मिशेल सेंटनर- बारबाडोस ट्रिडेंट्स

सेंटनर भले ही आईपीएल में चार ही मैच खेले हैं लेकिन ट्वंटी-20 मैचों का उनका अनुभव बेहद है। वैसे भी टेस्ट और वनडे क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड अच्छा है। टी-20 इंटरनेशनल मैचों में भी वह 52 विकेट निकाल चुके हैं। सेंटलर ऑलराऊंडर है और भले से भी धमाल मचा सकते हैं।

मुजीब उर रहमान- जमैका तलवाहा

किंग्स इलेवन पंजाब की ओर से खेलने वाले मुजीब उर रहमान जमैका तलवाहा की ओर से खेलेंगे। मुजीब आईपीएल में 16 मैचों में 17 विकेट हासिल कर चुके हैं।

वह बड़े मैचों में बड़े विकेट निकालने के लिए जाने जाते हैं। उनकी इकोनमी रेट भी काफी कम है। 19 साल के मुजीब को अफगानिस्तान क्रिकेट का भविष्य माना जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जयपुर में लगातार 8 घंटे मूसलाधार बारिश, सड़कें बनीं तालाब...पानी में डूबी कारें

नेशनल डेस्क।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में शुक्रवार सुबह मूसलाधार बारिश से सड़कों पर पानी भर गया और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सुबह करीब 5 बजे शुरु हुई बारिश दोपहर करीब 12 बजे तक जमकर बरसी और शहर में पानी-पानी कर दिया। इससे शहर के निचले इलाकों में दो-तीन फुट तक पानी भर गया और सड़कें दरिया बन गईं। मूसलाधार बारिश के कारण कई लोग अपने घर से नहीं निकल पाए और जो निकले वे जगह जगह भरे पानी में फंस गए। बड़े-बड़े शहरों से इसी तरह की तसवीरें जब आती है तो कई सवाल उठते हैं अब हर साल की तरह पोलिटिकल ब्लेम गेम होगा और अगले साल फिर बरसात शहरों की पोल खोलकर रख देगी... राजस्थान की राजधानी जयपुर में भारी बारिश का असर विधानसभा सत्र पर भी पड़ा है। दरअसल, गहलोत खेमे के विधायक सत्र में हिस्सा लेने के लिए फेयरमांट होटल से दो बसों में सवार होकर रवाना हुए थे लेकिन भारी बारिश के जयपुर की सड़क पर दोनों बसें फंस गईं, इससे अनेक विधायक समय पर सदन में नहीं पहुंच पाए। विधायकों के समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण विधानसभा सत्र की कार्रवाई दोपहर 1 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। कई वाहन खराब होकर सड़क पर खड़े नजर आए। शहर के चारदीवारी में चौड़ा रास्ता, चांदपोल सहित कई इलाके पानी से जलमग्न हो गए जिसमें कारें एवं अन्य वाहन डूबे नजर आए। शहर में ऑफिस, रोडवेज मुख्यालय, रेलवे ऑफिस, खासा कोठी, सर्किट हाउस, हाथी गांव, जल महल के सामने का क्षेत्र, मालवीयनगर, मानसरोवर, अजमेर रोड़, सीकर रोड़, चौमू पुलिया, झोटवाड़ा में खातीपुरा पुलिया के पास एवं कुमावत कॉलोनी सित कई कॉलोनियां जलमग्न हो गईं। इससे वाहनों की लंबी लाइनें लग गईं और यातायात प्रभावित हुआ। मूसलाधार बारिश के कारण झोंटवाड़ा क्षेत्र की कुमावत कॉलोनी एवं खातीपुरा पुलिया के पास न्यू कॉलोनी में कई कई घरों में पानी घुस गया। इससे लोगों को काफी परेशानी हुई। इसी तरह कई कार्यालयों में बरसात का पानी घुस गया है। सुबह से दोपहर तक बरसात के जारी रहने से लोग रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड तथा जहां मौका मिला वहां खड़े रहकर अपने को बारिश से बचाया। बारिश के चलते जयपुर प्रशासन ने आपात नंबर जारी किये तथा टीमें बनाकर बचाव अभियान शुरु किया गया। निचले इलाकों में भरे पानी में फंसे लोगों की मदद की जा रही है।

भारत में कोरोना संक्रमण के मामले सीमित, नियंत्रण की सीमा में: नड्डा

नई दिल्ली।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि देश में कोविड-19 से संक्रमित लोगों की संख्या भले ही आज च्अधिक होगी लेकिन जनसंख्या की दृष्टि से यदि देखा जाए तो यहां कोरोना के संक्रमित मामले सीमित संख्या में हैं और वह भी नियंत्रण की सीमा में। कर्नाटक में भाजपा के आठ जिला कार्यालयों व एक मंडल कार्यालय का शिलान्यास करने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नड्डा ने कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी और कर्नाटक की बी एस येदीयुरप्पा सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा, भारत 130 करोड़ का देश है। ठीक है, आज कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या हाई होगी, लेकिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमेशा किसी भी संख्या को प्रति मिलियन के हिसाब से मापा जाता है। उन्होंने कहा, जब प्रति मिलियन के हिसाब से मापा जाता हैं तो 130 करोड़ के देश के हिसाब से हमारे यहां कोरोना के संक्रमित मामले भी सीमीत हैं। वे भी नियंत्रण की सीमा में हैं। पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ तो सारी दुनिया व सारे देशों में लड़ाई लड़ी, लेकिन जिस तरीके से 130 करोड़ के देश का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लड़ाई लड़ी, वह अपने आप में दुनिया के लिए एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि किस तरीके से 130 करोड़ के देश को संभाल कर रखा जा सकता है, यह इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा, पश्चिमी देश मानवता और अर्थव्यवस्था के द्वंद्व में फंसे थे। अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के बावजूद उनकी स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने सामने से कोरोना के खिलाफ लड़ाई में 130 करोड़ भारतीयों का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने न सिर्फ स्वास्थ्य से संबंधित मामलों का समाधान निकाला बल्कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना समेत कई अन्य योजनाओं को लागू किया। नड्डा ने कहा कि शुरुआती दिनों में हमारे पास कोविड से लडऩे के लिए ।

महाराष्ट्र के इस गांव में छोटे-छोटे बच्चे बोलते हैं जापानी भाषा

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के एक दूर-दराज गांव में जिला परिषद के सरकारी स्कूल में रोबोटिक्स और प्रौद्योगिकी का ज्ञान अर्जित करने की चाह में छात्र जापानी भाषा सीख रहे हैं। औरंगाबाद से 25 किलोमीटर दूर स्थिति गदिवत गांव में अच्छी सड़कें और अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाएं भले न पहुंच पाई हों लेकिन इंटरनेट सेवा स्थानीय जिला परिषद स्कूल के बच्चों के लिए वरदान साबित हुई हैं। सरकारी स्कूल ने पिछले साल सितंबर में एक विदेशी भाषा कार्यक्रम शुरू करने का फैसला किया था। इसके कार्यक्रम के तहत चौथी से आठवीं क्लास के छात्रों से अपनी पसंद की एक भाषा चुनने को कहा गया। स्कूल के शिक्षक दादासाहेब नवपुत ने कहा कि हैरानी की बात है, उनमें से अधिकांश ने कहा कि वे रोबोटिक्स और प्रौद्योगिकी में रुचि रखते थे और जापानी भाषा सीखने चाहते हैं। उन्होंने बताया कि जापानी भाषा सिखाने के लिए कोई उचित पाठ्यक्रम सामग्री और पेशेवर मार्गदर्शन नहीं होने के बावजूद, स्कूल प्रशासन इंटरनेट पर वीडियो और अनुवाद अनुप्रयोगों से जानकारी इकठ्ठा करने में कामयाब रहा। हालांकि अब औरंगाबाद के भाषा विशेषज्ञ सुनील जोगदेओ छात्रों को जापानी भाषा सिखा रहे हैं। स्कूल की इस पहल के बारे में पता चलने के बाद जोगदेओ ने स्कूल से संपर्क किया और ऑनलाइन कक्षाएं लेने की इच्छा जाहिर की।

रविन्द्र रैना की अपील, जम्मू कश्मीर में हर घर लहराया जाए तिरंगा

जम्मू-कश्मीर । भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख रविंदर रैना ने कहा कि कश्मीर में भाजपा के मजबूत होने से पाकिस्तान भयभीत है और घाटी में पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्या को शह दे रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश अपने नापाक मंसूबों में कामयाब नहीं होगा।उनका बयान ग्रामीण स्तर पर भाजपा के कुछ नेताओं पर आतंकवादी हमलों की पृष्ठभूमि में आया है। ऐसे हमलों के बाद कश्मीर में पार्टी के लगभग एक दर्जन कार्यकर्ताओं ने इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, पाकिस्तान कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी के उदय से भयभीत है। इसलिए वह कश्मीर में भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहा है। रैना ने कहा कि कश्मीर में भाजपा और राष्ट्रवादी ताकतों के उदय से पाकिस्तानी आतंकवादी और अलगाववादी हताश हैं। ÷लेकिन वे अपने नापाक मंसूबों में कामयाब नहीं होंगे।÷ कश्मीर घाटी में भाजपा कार्यकर्ताओं की बहादुरी, समर्पण और प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए रैना ने कहा कि उनके बलिदान व्यर्थ नहीं जाएंगे और बहुत जल्द पूरी घाटी आतंकवाद से मुक्त होगी। उन्होंने कहा कि शेख वसीम बारी, अब्दुल हमीद नजीर जैसे भाजपा नेताओं और पार्टी के सरपंचों तथा पंचों की बढ़ती लोकप्रियता से पाकिस्तानी आतंकवादी भयभीत हैं, इसलिए उन लोगों को निशाना बनाया गया।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 926 पुलिसकर्मियों को वीरता पुरस्कार, जारी हुई सूची

नेशनल डेस्क।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश भर के 926 पुलिसकर्मियों को पुलिस पदकों से सम्मानित करने की घोषणा की गयी है जिनमें से 215 को वीरता के लिए पुलिस पदक, 80 को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पदक और 631 को उल्लेखनीय सेवा के लिए पुलिस पदक के लिए चुना गया है। गृह मंत्रालय की ओर से आज इन पुलिस पदकों की घोषणा की गयी। जम्मू-कश्मीर पुलिस को सबसे अधिक 81 वीरता पदक मिले हैं जबकि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को 55 और उत्तर प्रदेश पुलिस को 23, दिल्ली पुलिस को 16 और महाराष्ट्र पुलिस को 14 पदक मिले हैं। झारखंड पुलिस को 12, असम को पांच, छत्तीसगढ और अरूणाचल को तीन -तीन, तेलंगाना को दो और सीमा सुरक्षा बल को एक वीरता पदक मिला है। विशिष्ट्र सेवा के लिए राष्ट्रपति का पदक पाने वालों में गुप्तचर ब्यूरो (आई बी) के 8 , केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और उत्तर प्रदेश पुलिस के 6-6, सीमा सुरक्षा बल और महाराष्ट्र पुलिस के पांच-पांच, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल और मध्य प्रदेश पुलिस के चार-चार तथा भारत तिब्बत पुलिस बल और दिल्ली पुलिस के तीन-तीन पुलिसकर्मी शामिल हैं। उल्लेखनीय सेवा के लिए पुलिस पदक पाने वालों में उत्तर प्रदेश पुलिस के 73, सीआरपीएफ के 59, बीएसएफ के 46 ,खुफिया ब्यूरो के 28, तमिलनाडु पुलिस के 21, पश्चिम बंगाल के 20, कर्नाटक के 18 और दिल्ली पुलिस

के 16 पुलिसकर्मी शामिल हैं। वीरता के लिए दिये गये 215 में से 123 पदक जम्मू कश्मीर में वीरता के कार्यों के लिए दिये गये हैं। इसके अलावा 29 पुलिसकर्मियों को नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में और 8 को पूर्वोत्तर क्षेत्र में वीरता के लिए पदक दिये गये हैं।

विधानसभा में जगह न मिलने पर पायलट का छलका दर्द, बोले- मैं आखिरी में बैठा हूं लेकिन...

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस भले ही सब कुछ ठीक होने के लाख दावे करे लेकिन सच्चाई इससे विपरीत ही दिखाई दे रही है। राजस्थान विधानसभा का नजारा देख यह साफ हो गया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट गुट के बीच का विवाद अभी सुलझा नहीं है तभी तो सचिन पायलट की सीट बदल दी गई। दरअसल राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने विधानसभा में विधायकों के बैठने के लिए नियम जारी किये, जिसमें अशोक गहलोत की बगल वाली सीट पर अब सचिन पायलट की जगह संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल बैठे और पायलट अपने विधायकों के साथ गैलरी में लगी कुर्सी पर बैठे। कहा जा रहा है कि पायलट के उपमुख्यमंत्री नहीं रहने की वजह से विधानसभा में उनकी सीट में बदलाव किया गया है। वहीं सचिन पायलट ने इस पर दुख जाहिर करते हुए अपनी स्पीच में कहा कि आज मैं सदन में आया तो देखा कि मेरी सीट पीछे रखी गई है। मैं आखिरी कतार में बैठा हूं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं राजस्थान से आता है, जो कि पाकिस्तान बॉर्डर पर है। बॉर्डर पर सबसे मजबूत सिपाही तैनात रहता है। मैं जब तक यहां बैठा हूं, सरकार सुरक्षित है।

स्वतंत्रता दिवस पर देशभर के आप कार्यकर्त्ताओं से केजरीवाल करेंगे मन की बात

नेशनल डेस्क।

दिल्ली सरकार ने कोरोना वायरस के चलते इस बार स्वतंत्रता दिवस का बहुत छोटा कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला लिया है। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वतंत्रता दिवस पर शनिवार को देशभर के आम आदमी पार्टी के कार्यकर्त्ताओं को संबोधित करेंगे। केजरीवाल डिजिटल माध्यम से देशभर में फैले पार्टी के कार्यकर्त्ताओं को संबोधित करेंगे। पार्टी की ओर से ट्वीट किया गया है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल देशभर में सभी कार्यकर्त्ताओं को शाम 4 बजे संबोधित करेंगे। बता दें कि हर साल स्वतंत्रता दिवस पर देशभर में समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया जाता रहा है लेकिन इस बार कोरोना संकट के चलते ऐसा नहीं हो पा रहा है। इसी कारण दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन मंत्रालय के मंत्री गोपाल राय ने बताया कि इस बार छत्रसाल स्टेडियम की बजाए आईटीओ स्थित दिल्ली सचिवालय में ही स्वतंत्रता दिवस का कायक्रम

आयोजित किया जाएगा। राय ने बताया कि इस बार कोरोना संकट के मद्देनजर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के उद्देश्य से कार्यक्रम में केजरीवाल के अलावा करीब 100 प्रमुख लोगों को ही निमंत्रित किया जा रहा है।

धर्म की आड़ में बाबा का वहशीपन, दिन में साधु और रात को जींस पैंट पहन रचाता था रास लीला

नरसिंहपुर।

आस्था के नाम पर पाखंड, ढोंग और आडंबर का खेल रुकने का नाम ही नहीं ले रहा। सड़क से लेकर बड़े-बड़े आलीशान आश्रमों में आस्था को अपने-अपने ढंग से बेचा और खरीदा जा रहा है। एक ऐसा ही ढोंग का खेल रचने वाला तथाकथित बाबा फिर सुर्खियों में हैं। जी हां मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के एक छोटे से गांव नांदिया बिलहरा में बाबा धर्मदेव उर्फ़ धर्मेंद्र दुबे नामक एक और फर्जी बाबा का सेक्स स्केंडल सामने आया है धर्मेंद्र दास खुद को हनुमान का अवतार कहता था। जब वह कुछ दिन पहले गांजे की तस्करी में पकड़ा गया तो लगा कि बात यहीं खत्म लेकिन इसके बाद जब पुलिस जांच में उसका मोबाइल पुलिस के हाथ लगा तो एक नहीं कई ऐसी अश्लील वीडियो उसमें मिली जो वह अपने डेरे पर महिलाओं के संग बनाता था। दरअसल, हर मंगलवार शनिवार को यह अपना दरबार सजा कर नौटंकी से लोगों को बरगलाता था। सूत्रों के अनुसार यह बाबा पत्नी को वशीकरण करने के मामले में ज्यादा दिलचस्पी लेता था। फरियादी पति को ताबीज और खास तरह का प्रसाद देकर उसे भ्रमित करता था। दर्जनों ऐसे मामले हैं जिसमें इसने कई परिवारों से भ्रम के हालात पैदा किये है। घर परिवार की कलेश से परेशान व्यक्ति पांच मंगलवार-शनिवार को लगातार इसके दरबार में दस्तक देते थे। उनकी जानकारी इसके चेले-चपाटी धर्मेंद्र दास को देते रहते थे। इसके बाद खास तरह का प्रसाद उन भक्तों को दिया जाता था जो सोचने समझने की शक्ति को खत्म कर देता था। कहते है पाप का घड़ा एक ना एक दिन फूट ही जाता है इस ढोंगी बाबा धर्मदेव उर्फ़ धर्मेंद्र दुबे के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ धर्मदेव का असली चेहरा तब सामने आया जब उसने अपने ही मोबाईल के द्वारा अपनी ही अश्लील वीडियो बनाई उसे नहीं पता था की वह अपने पाप के सबूत खुद अपने ही मोबाईल में छोड़ रहा है। पुलिस को मुखबिर के द्वारा सुचना प्राप्त हुई कि ढोंगी बाबा गांजा तस्करी करता है जैसे ही पुलिस को इस बात की जानकारी लगी वैसे ही पुलिस ने इसके आश्रम मे तलाशी की और 2 किलो गांजे के साथ इसको गिरफ्तार कर लिया। गिरफ़्तारी के बाद जब उसका मोबाइल पुलिस के द्वारा चेक किया गया तब जो पुलिस को मिला उससे सबके होश उड़ गए जी हां एक नहीं अनगिनत ऐसी वीडियो पुलिस के हाथ लगी जिसमें ये ढोंगी महिलाओं के साथ बलात्कार कर रहा है। भगवा चोला पहनकर आस्था की आड़ में प्रवचन के बहाने ये ढोंगी बाबा प्रसाद के नाम पर मादक पदार्थो का सेवन कराके लड़कियों को फंसाकर उनके साथ ये बलात्कार करता था। दरअसल इस ढोंगी बाबा का असली चेहरा रात में नजर आता था, जब वो गेरुआ वस्त्र उतारकर टाइट जींस, नए फैशन की टीशर्ट पहनकर, हाथों में महंगे मोबाइल और महंगी कार से रात के अंधेरे में जिस्मफरोशी का खेल खेलता था। कोई पहला मौका नहीं है कि जब बाबा का ऐसा चेहरा सामने आया हो। बाबाओं की संख्या भारत में तेज गति से बढ रही हैं। यहां हर मोड़ पर तरह-तरह के बाबा लोगों को धोखा दे रहे हैं। एक ओर हमारा ज्ञान लज्जित हो रहा है, तो दूसरी तरफ विज्ञान की धज्जियां उड़ रही हैं। चांद पर जाने वाला और बडे-बड़े उपग्रह प्रक्षेपित करने वाला भारत अब तक इन ढोंगी और पाखंडी बाबाओं की दलदल से बाहर नहीं निकल पाया हैं ।

राजीव त्यागी की पत्नी बोलीं- संबित पात्रा है मेरे पति का हत्यारा, बताया- क्या थे मरने से पहले उनके आखिरी शब्द

नेशनल डेस्क। कांग्रेस नेता तथा प्रवक्ता राजीव त्यागी का बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। गाजियाबाद में वैशाली सेक्टर-16 में अपने आवास पर एक टीवी डिबेट में भाग लेने के कुछ ही देर बाद त्यागी (52) को दिल का दौरा पड़ा और वह बेहोश हो गए। इसके बाद उन्हें गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वह बच नहीं सके। अब राजीव की पत्नी ने वीडियो जारी करके भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रवक्ता संबित पात्रा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अब खुद दिवंगत राजीव त्यागी की पत्नी का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो कह रह मेरे पति ने मौत से पहले कहा था कि इन लोगों ने मुझे मार डाला। राजीव त्यागी की पत्नी ने तो संबित पात्रा को हत्यारा तक कह डाला। संबित पात्रा को ही दोषी मानते हुए राजीव की पत्नी ने कहा, अब हमारा जो नुकसान होना था, वह तो हो गया और हमें कुछ नहीं चाहिए। मेरे पति के लास्ट शब्द कुछ ऐसे थे। उन्होंने पहले एक गाली दी थी फिर कहा कि इन लोगों ने मुझे मार दिया। संबित पात्रा ने मेरे पति को कहा था कि इन्हें अभी आग लगाने जाना होगा। मुझे संबित पात्रा से बात करनी है, वही हत्यारा है क्योंकि मेरे पति ने आखिर में बोला था कि इन लोगों ने मुझे मार दिया। घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, वैसे में थोड़ी देर से आती हूं कमरे में लेकिन पहली बार ऐसा हुआ कि मैं एकदम पहुंच गई, देखा तो पैंट का बटन खुला हुआ था और वह सोफे पर गिर गए थे। चेहरा थोड़ा-थोड़ा सफेद पड़ना शुरू हो गया था, उन्होंने कहा कि मेरा बीपी गड़बड़ हो रहा है। मैंने तुरंत बीपी चेक किया और डॉक्टर को बुलाया। एक बात मुझे बोलनी है, ठीक है जो हो गया हमारा लॉस हो गया और हमें कुछ चाहिए भी नहीं।

संक्षिप्त समाचार

स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले श्रीनगर श्रीनगर में पुलिस पार्टी पर आतंकी हमला, दो पुलिसकर्मी शहीद

नेशनल डेस्क। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले, जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने श्रीनगर शहर के बाहरी इलाके नौगाम में शुक्रवार सुबह जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक दल पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी, जिसमें दो पुलिस कर्मी शहीद हो गए और एक अन्य कर्मी घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों की पहचान कर ली गई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने नौगाम बाईपास के पास पुलिस के एक दल पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी, जिसमें तीन पुलिस कर्मी घायल हो गए। घायल कर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि जैश-ए-मोहम्मद ने यह हमला किया। कुमार ने हमलास्थल के निकट संवाददाताओं से कहा कि हमने आतंकवादियों की पहचान कर ली है। उनका संबंध जैश-ए-मोहम्मद से है। हम जल्द ही उन्हें निष्क्रिय कर देंगे। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर किसी आतंकवादी हमले की आशंका संबंधी कोई जानकारी मिलने के सवाल के जवाब में कुमार ने कहा कि हमें 15 अगस्त और 26 जनवरी से पहले हर साल इस प्रकार की जानकारियां मिलती हैं। हमारे पास जानकारी थी कि वे किसी इलाके में (हमले की) कोशिश करेंगे। जवान सतर्क और तैयार थे, लेकिन वे (आतंकवादी) पीछे से आए और उन पर गोलियां चला दीं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने इलाके की घेराबंदी कर ली है और आंतकवादियों की तलाश की जा रही है। यह संकरा मार्ग है और वहां असैन्य लोगों की आवाजाही थी। यदि हमारे जवान जवाबी कार्रवाई करते, तो आम लोगों की भी जान जा सकती थी, इसलिए उन्होंने संयम बरता। पीडीपी ने इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि इससे कश्मीरियों के लिए हालात और खराब हो जाएंगे।

पन्ना टाइगर रिजर्व में नाराज हाथी ने रेंजर पर किया हमला, दांतों तले दबाकर पटका पटकाकर मारा

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व में एक बड़ा मामला सामने आया है जहां रामबहादुर नाम के हाथी ने हिनोता रेंज के रेंजर भगत को दांतों तले दबाकर मार डाला। रेंजर की मौके ही मौत हो गई है। घटना पन्ना टाइगर रिजर्व के हिनोता रेंज की है, जहां यह भयानक घटना घटित हुई है। घटना के बाद से टाईगर रिजर्व में हड़कंप मच गया है। प्रबंधन के आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। बता दें कि पन्ना टाइगर रिजर्व में टाईगर ट्रैकिंग के दौरान हाथी ने रेंजर को मार दिया है। रेंजर बी.आर. भगत को रामबहादुर हाथी ने अपने दांतो से दबा दिया जिससे उनके प्राण निकल गये। घटना हिनौता रेंज की है रेंजर क्रस भगत मूलतयः छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे और पिछले 8 वर्ष से वह एक ही रेंज में पदस्थ थे। इस बड़ी और दर्दनाक घटना से टाइगर रिजर्व में मातम छाया हुआ है तो वहीं अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि कुछ दिन पूर्व गंगऊ के इसी क्षेत्र में मृत टाइगर मिला था। जहां दूसरे टाइगर की हालत को जानने के लिए लगातार ट्रैकिंग की जा रही थी जिससे नाराज हाथी राम बहादुर ने गुस्से में आकर रेंजर को अपनी चपेट में लिया और दांतो से दबाकर मार डाला।

गैंगरेप के आरोपियों को मिली फांसी की सजा, दुल्हन की तरह सजा पुलिस स्टेशन

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के बुलढाणा में एस साल पहले मासूम के साथ गैंगरेप मामले में दो आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई है। गुरुवार को बुलढाणा की विशेष जिला व सत्र न्यायालय ने आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई। अदालत के फैसले के बाद चिखली पुलिस स्टेशन के कर्मियों ने पूरे पुलिस स्टेशन को दुल्हन की तरह सजाया और पटाखे भी फोड़े। चिखली शहर में 26 अप्रैल 2019 की रात को दो युवकों ने एक 9 साल की मासूम के साथ हैवानियत की घटना को अंजाम दिया था। मासूम अपने माता-पिता के साथ सोई हुई थी जब दो युवक उसे उठाकर ले गए। दोनों युवक बच्ची को शहर की सुनसान जगह पर ले गए जहां उसके साथ गैंगरेप किया। इस जघन्य अपराध से पूरे जिले में गुस्से का माहौल था। लोग आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। घटना के बाद जिस महिलाकर्मी ने मासूम का मेडिकल करवाया उसने बताया था कि औरंगाबाद में बच्ची के दो बड़े ऑपरेशन हुए थे। चिखली पुलिस के सभी कर्मियों ने इस पीड़ित परिवार की हर संभव मदद की कोशिश की। पीड़िता के पिता की शिकायत पर आरोपी सागर विश्वनाथ बोरकर और निखिल शिवाजी गोलाइत के खिलाफ रेप, पॉक्सो व एट्रोसिटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में केस चला और एक साल बाद अब दोनों आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई है। कोर्ट का फैसला आते ही चिखली पुलिस स्टेशन के कर्मियों ने पुलिस स्टेशन को दुल्हन की तरह सजाया और पटाखे फोड़े। चिखली पुलिस स्टेशन ऐसा पहला थाना होगी जहां आरोपियों को सजा के बाद ऐसे खुशी मनाई गई।

मध्य प्रदेश की राजनीति में कोरोना का कहर, अब एक और भाजपा नेता कोरोना पॉजिटिव

इंदौर। मध्य प्रदेश में कोरोना का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। आम जन के साथ साथ एक के बाद एक राजनेता भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। अब भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ओर पूर्व विधायक जीतू जिराती कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। जीतू जिराती में ट्वीट कर जानकारी देते हुए कहा कि मेरे संपर्क में आए लोग कोरोना टेस्ट कराएं व खुद को क्वॉरेंटाइन कर लें। बता दें कि इससे पहले सीएम शिवराज, ज्योतिरादित्य सिंधिया, तुलसी सिलावट,कांग्रेस नेता कुणाल सिंह आदि कोरोना संक्रमित हुए हैं। हालांकि सभी नेता स्वस्थ हैं और कोरोना से जंग जीत चुके हैं। वहीं जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट दोपहर 12 बजे अरविंदो अस्पताल से डिस्चार्ज होंगे। हालांकि विश्वास सारंग, राज्यसभा सासंद सुमेर सिंह सोलंकी का अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी स्वीकार करने पर व्हाइट हाउस से भाषण देना चाहते हैं ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी स्वीकार करने के बाद व्हाइट हाउस से भाषण देना चाहते हैं। ट्रम्प (75) रिपब्लिकन पार्टी की ओर से एक बार फिर राष्ट्रपति पद पर काबिज होने की दौड़ में हैं। ट्रम्प जीओपी के अधिकतर प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज कर चुके हैं। इस महीने के अंत में रिपब्लिकन पार्टी डिजिटल सम्मेलन में उन्हें औपचारिक तौर पर अपना उम्मीदवार घोषित करेगी। यह कार्यक्रम सबसे पहले उत्तर कैरोलाइना में होना था और बाद में इसे फ्लोरिडा के जैक्सनविले में करने का निर्णय किया गया।

हालांकि कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों की वजह से इसे रद्द कर दिया गया और अब यह ऑनलाइन ही आयोजित किया जाएगा। जो बाइडेन को राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का औपचारिक उम्मीदवार बनाने की घोषणा भी 20 अगस्त को एक डिजिटल कार्यक्रम में की जाएगी। वह उम्मीदवारी स्वीकार करते हुए अपना भाषण डेलावेयर से देंगे। 'न्यूयॉर्क पोस्ट' को दिए एक साक्षात्कार में ट्रम्प ने कहा कि वह रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन का अपना भाषण व्हाइट हाउस के लॉन से देना चाहते हैं। ट्रम्प ने कहा, '' मैं शायद व्हाइट हाउस से अपना भाषण दूं क्योंकि वह एक शानदार स्थान है। वह ऐसी जगह है, जहां मुझे अच्छा महसूस होता है, देश को अच्छा महसूस होता है।''

उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और गुप्तचर सेवाओं के लिए भी यही सुगम रहेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि हम इसे किसी एक लॉन में कर सकते हैं, हमारे पास कई लॉन है। चीनी वायरस के मद्देनजर हम इसे बाहर कर सकते हैं। कार्यक्रम में समर्थकों के आने पर ट्रम्प ने कहा, '' कुछ लोग आ सकते हैं। वह एक बड़ा, बहुत बड़ा लॉन है। अधिक संख्या में लोग आ सकते हैं।''

कोरोना को लेकर वैज्ञानिकों के हाथ लगी बड़ी कामयाबी, अब नहीं जाएगी किसी की जान

लास एंजिलिस। वैज्ञानिकों ने कोविड-19 के पीड़ितों में लक्षण दिखने के संभावित क्रम का पता लगा लिया है। इससे चिकित्सक अन्य रोगों की आशंका को खारिज कर सकेंगे, मरीजों को जल्द उपचार मिल सकेगा तथा वे स्वयं पृथक-वास के बारे में फैसला लेने में भी सक्षम होंगे। फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि कोविड-19 के मरीजों में सबसे पहला संभावित लक्षण है बुखार, उसके बाद खांसी, मांसपेशियों में दर्द, मितली, उल्टी और दस्त जैसे लक्षण हैं। अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया में मेडिसिन एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर पीटर कुन ने समझाया, इस क्रम को समझना तब खासतौर पर आवश्यक हो जाता है जब फ्लू जैसे परस्पर रोगों का चक्र चल रहा हो जो कोविड-19 की तरह ही है। कुन के मुताबिक इस नयी जानकारी के बाद अब चिकित्सक यह तय कर सकेंगे कि मरीजों की देखभाल के लिए क्या कदम उठाने की जरूरत है, वे उनकी हालत और खराब होने से बचा सकेंगे। उन्होंने कहा कि मरीजों की पहचान समय रहते होने से अस्पताल में भर्ती होने का वक्त घटेगा क्योंकि अब इस रोग के उपचार के पहले के मुकाबले बेहतर तरीके हैं। यह शोध विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से 16 से 24 फरवरी के बीच चीन के कोविड-19 के 55,000 से अधिक संक्रमण के मामलों में से लक्षण वाले मामलों की दर के विश्लेषण के आधार पर किया गया। शोधकर्ताओं ने चाइना मेडिकल ट्रीटमेंट एक्सपर्ट ग्रुप की ओर से 11 दिसंबर, 2019 से 29 जनवरी, 2020 के बीच एकत्रित आंकड़ों का भी विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने कोविड-19 और इनफ्लूएंजा के लक्षणों तथा उनके दिखने के क्रम की तुलना करने के लिए।

उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार है रिस 'जन्म के मूल स्थान संबंधी' विवाद में घिरीं

वाशिंगटन। अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को 'जन्म के मूल स्थान को लेकर विवाद' में घेरने की कोशिश की जा रही है। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने सुना है कि हैरिस व्हाइट हाउस में सेवाएं देने की योग्यताएं पूरी नहीं करती हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के बारे में भी इसी प्रकार के विवाद पैदा किए गए थे, जब उनके विरोधियों ने उनके जन्म के स्थान को लेकर सवाल उठाए थे। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने हैरिस (55) को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना है। हैरिस के पिता जमैका में पैदा हुए थे और उनकी मां भारतीय थीं। हैरिस के जन्म के मूल स्थान पर सबसे पहले कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल के लिए 2010 में रिपब्लिकन प्राइमरी में चुनाव लड़ चुके डॉ. जॉन ईस्टमैन ने 'न्यूजवीक ओप-एड' में सवाल उठाए। हैरिस के हाथों अटॉर्नी जनरल के लिए चुनाव हार चुके ईस्टमैन ने कहा कि उनके योग्यता पूरी करने को लेकर कुछ सवाल हैं। सोशल मीडिया पर भी इस प्रकार की बातें फैलाई जा रही हैं। बाइडेन की चुनाव प्रचार मुहिम ने इन बातों को नस्लवादी करार दिया है।

ट्रम्प ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में एक प्रश्न के जवाब में कहा, ''मैंने यह सुना है। मैंने आज सुना कि उनके पास आवश्यक योग्यता नहीं है और यह बात लिखने वाला व्यक्ति एक अत्यंत प्रतिभाशाली वकील है। मुझे नहीं पता कि यह बात सही है या नहीं।'' हैरिस का जन्म 20 अक्टूबर 1964 को कैलिफोर्निया के ओकलैंड में हुआ था।

भारत ने मालदीव के लिए खोला खजाना, 37.4 अरब रुपए पैकेज की घोषणा की

नेशनल डेस्क। भारत, मालदीव में महत्वपूर्ण संपर्क परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए 40 करोड़ डॉलर की कर्ज सुविधा और 10 करोड़ डॉलर का अनुदान देगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को मालदीव के अपने समकक्ष अब्दुल्ला शाहिद से विविध विषयों पर व्यापक चर्चा के बाद यह बात कही। अधिकारियों ने बताया कि 6.7 किलोमीटर की ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना (तस्ष्क्क) मालदीव में सबसे बड़ी नागरिक आधारभूत परियोजना होगी जो माले को तीन पड़ोसी द्वीपों- विलिंगिली, गुल्हीफाहू और थिलाफूसी से जोड़ेगी। की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि यह सत्तारूढ़ एमडीपी पार्टी का प्रमुख चुनावी वादा था जिसके लिए मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने पिछले साल सितंबर में जयशंकर से बैठक के दौरान भारत की सहायता मांगी थी। जयशंकर ने ट्वीट किया, '' भारत ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना के क्रियान्वयन करने के लिए वित्त पोषण करेगा जो 40 करोड़ डॉलर की कर्ज सुविधा और 10 करोड़ डॉलर के अनुदान के जरिये होगा। यह 6.7 किलोमीटर की पुल परियोजना है जो माले को गुल्हीफाहू बंदरगाह और थिलाफूसी औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ेगा। इससे मालदीव की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी और बदलाव आएगा। उन्होंने भारत और मालदीव के बीच नियमित कार्गो सेवा शुरू करने की भी घोषणा की ताकि दोनों देशों के बीच कारोबार और वाणिज्य को गति प्रदान की जा सके। विदेश मंत्री ने कहा कि हम मालदीव के साथ एयर बबल (हवाई यात्रा) शुरू कर रहे हैं ताकि दोनों देशों के लोगों के बीच सम्पर्क को बढ़ावा मिल सके। परियोजना में एक पुल और 6.7 किलोमीटर लंबे सम्पर्क मार्ग का निर्माण शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

घोंसले के लिए दुबई के प्रिंस ने परिंदों को सौंप दी अपनी मर्सिडीज कार, लोग बोले- आपका दिल सोने का

इंटरनेशनल डेस्क। दौर में लोग मोह माया में इस तरह डूब गए हैं कि वह इंसानियत को भूलते जा रहे हैं। कुछ लोग अपने फायदे के लिए दूसरे का नुकसान करने से भी नहीं हिचकिचाते। हालांकि इस सब के बीच एक शख्स ऐसा भी है जिसने परिंदों के लिए अपनी महंगी कार तक न्यौछावर कर दी। हम बात कर रहे हैं दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदन बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की, जिनकी मर्सिडीज एसयूवी कार पर पक्षियों ने घोसला बना लिया। घोसला ना हटाने पड़े इसलिए प्रिंस ने कार का इस्तेमाल करना ही बंद कर दिया। इतना ही नहीं चिड़िया और उसके बच्चों को परेशानी ना हो इसके लिए कार के चारों तरफ लाल टेप से घेरेबंदी भी कर दी। प्रंस ने इंस्टा पर एक वीडियो भी शेयर की, जिसके साथ लिखा 'कभी-कभी जिंदगी में छोटी चीजें ..। वीडियो में देख सकते हैं कि बच्चे अंडे से बाहर निकलते हैं और अपनी मां के साथ खेलने लगते हैं। कुछ ही देर बाद मां बच्चों को खाना खिलाती है। इससे पहले भी क्राउन प्राइस ने कार के बोनट पर मां पक्षी का वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए बताया था कि कि वो तब तक इस कार का इस्तेमाल नहीं करेंगे, जब तक बच्चे अंडों से न निकल जाएं। क्राउन प्रिंस शेख हमदन दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के दूसरे बेटे हैं। उनके इस कदम ने दुनिया का दिल जीत लिया है। लोगों ने कहा कि आपका दिल सोने का है। इंस्टाग्राम पर उनके 10 मिलियन यानी एक करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. उन्हें फजा के नाम से जाना जाता है।

एलएसी मसले पर भारत के साथ खड़ा है अमेरिका, चीन के खिलाफ पेश किया प्रस्ताव

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के दो शक्तिशाली सीनेटरों के समूह ने वीरवार को सीनेट में एक प्रस्ताव रखकर भारत के प्रति चीनी आक्रामकता की आलोचना की है। भारत के खिलाफ चीनी आक्रामकता का लक्ष्य दोनों देशों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिति बदलना था। सीनेट में बहुमत की पार्टी रिपब्लिकन के व्हिप सीनेटर जॉन कोर्निन और खुफिया मामलों पर सीनेट की प्रवर समिति के रैंकिंग सदस्य सीनेटर मार्क वार्नर का यह प्रस्ताव चीन द्वारा पूर्वी लद्दाख में चीनी सेना की गतिविधियों के बाद आया है। कोर्निन और वार्नर सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष हैं। कोर्निन ने कहा कि सीनेट इंडिया कॉकस के सह-संस्थापक के रूप में, मुझे अमेरिका और भारत के बीच मजबूत संबंधों का महत्व स्पष्ट रूप से पता है। मैं चीन के खिलाफ खड़े होने और हिन्द-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र बनाए रखने में भारत की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करता हूं। हमेशा के मुकाबले अब यह ज्यादा जरुरी है कि हम अपने भारतीय साझेदारों का साथ दें क्योंकि वे चीनी आक्रामकता के खिलाफ बचाव कर रहे हैं।

भारत ने चीन समेत इन देशों से आयातित ब्लैक टोनर पाउडर पर लगाया डंपिंग रोधी शुल्क

नई दिल्ली। भारत ने चीन, मलेशिया और चीनी ताइपे से आयातित ब्लैक टोनर पाउडर पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है। इसका उपयोग प्रिंटर और फोटो कॉपी मशीन में होता है। वाणिज्य मत्रालय की जांच इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिश के आधार पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है। घरेलू कंपनियों ने डीजीटीआर से इन देशों की कुछ कंपनियों द्वारा कथित डंपिंग किए जाने की शिकायत की थी। उसके बाद महानिदेशालय ने मामले की जांच की और शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। शुल्क 196 डॉलर प्रति टन से लेकर 1,686 डॉलर प्रति टन की दर से लगाया गया है। राजस्व विभाग ने अधिसूचना में कहा, ''अधिसूचना के तहत अस्थायी डंपिंग रोधी शुल्क छह महीने के लिये प्रभावी होगा (बशर्ते बीच में इसे हटाने का आदेश नहीं आए)। अपनी जांच में डीजीटीआर ने कहा था कि इन उत्पादों का भारत में निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम पर किया जा रहा है, जिससे घरेलू कंपनियों के हित प्रभावित हो रहे हैं। एक अन्य अधिसूचना में विभाग ने चीन और हांगकांग से आयातित 'फ्लैक्स फैब्रिक्स (लिनन) पर शुल्क तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है।

डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने के लिए आवश्यक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करेंगे बाइडेन, हैरिस

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन और भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस क्रमशः राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने के लिए आवश्यक दस्तावेजों पर शुक्रवार को औपचारिक रूप से हस्ताक्षर करेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी ने यह घोषणा की। बाइडेन के प्रचार अभियान में जुटी टीम की ओर से बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, ''जो बाइडेन और कमला हैरिस अमेरिका के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए औपचारिक रूप से डेमोक्रेटिक उम्मीदवारी हासिल करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों पर 14 अगस्त यानी शुक्रवार को हस्ताक्षर करेंगे।'' उल्लेखनीय है कि अमेरिका में नवम्बर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के संभावित उम्मीदवार जो बाइडेन ने 55 वर्षीय हैरिस को मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना था। हैरिस के पिता अफ्रीकी और मां भारतीय हैं। यदि हैरिस उपराष्ट्रपति बन जाती हैं, तो वह इस पद पर आसीन होने वाली अमेरिका की पहली महिला होंगी और देश की पहली भारतीय-अमेरिकी और अफ्रीकी-अमेरिकी उपराष्ट्रपति होंगी।

ट्रंप ने माना, वह डाक सेवा को धन नहीं दे रहे हैं ताकि डाक के जरिए मतदान को रोका जा सके

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलेआम स्वीकार किया कि वह अमेरिकी डाक सेवा को धन से वंचित रख रहे हैं ताकि बड़े पैमाने पर डाक के जरिए संभावित मतदान को मुश्किल बनाया जा सके। ट्रंप को संदेह है कि इससे उन्हें नुसकान पहुंच सकता है। ट्रंप ने फॉक्स बिजनेस नेटवर्क के साथ एक साक्षात्कार में कोष देने के दो प्रावधानों का जिक्र किया, जिनकी डेमोक्रेट्स राहत पैकैज में मांग कर रहे हैं और जो कैपिटोल हिल में अटका हुआ है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त धन के बिना डाक सेवा के पास बड़ी संख्या में मतदाताओं के मतपत्रों को संभालने की क्षमता नहीं होगी, जो कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मतदान स्थल पर जाने से बचना चाहते हैं। ट्रंप ने प्रस्तोता मारिया बार्टिरोमो से कहा, ''अगर हम कोई समझौता नहीं करते हैं तो इसका मतलब है कि उन्हें कोई धन नहीं मिलेगा। इसका तात्पर्य है कि वे ब्रह्मांड भर में डाक के जरिए मतदान नहीं करा सकते, वे ऐसा नहीं कर सकते।'' ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब वह नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन से बढ़त हासिल करने के लिए रणनीति तलाश रहे हैं। ट्रंप का यह बयान डेमक्रेट्स के लिए नया संदेश है कि राष्ट्रपति मतदान के अधिकार को कड़े करने का प्रयास कर रहे हैं। बाइडेन ने कहा कि यह, ''असली ट्रंप। वह चुनाव नहीं चाहते।' वहीं कोलोराडो की सेक्रेटरी ऑफ स्टेट जेना ग्रिस्वोल्ड ने कहा, यह महामारी के दौरान मतदान के सर्वाधित सुरक्षित तरीके को कमतर करने के लिए मतदाताओं को दबाने और मतदान करने के लिए अमेरिकियों को अपना जीवन जोखिम में डालने के लिए दबाव बनाने के समान है।'' नए वायरस राहत पैकेज पर बातचीत लगभग समाप्त हो गई है, लेकिन व्हाइट हाउस और कांग्रेस के नेताओं के बीच स्कूलों को फिर से खोलने और कोरोना वायरस को रोकने के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति शुरू करने पर कोई सहमति नहीं बन पाई है। वहीं स्कूलों और वायरस जांच के लिए 100 अरब डॉलर से अधिक राशि पर सहमति के कुछ बिंदू हैं।

भारत के खिलाफ चीनी आक्रमकता की निंदा के लिए अमेरिकी सीनेट में द्विदलीय प्रस्ताव पेश

वाशिंगटन। दो प्रभावशाली अमेरिकी सीनेटरों के द्विदलीय समूह ने भारत और चीन के बीच स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर यथास्थिति को बदलने के लिए चीन द्वारा अपनाई गई सैन्य आक्रमकता की निंदा की खातिर सीनेट में एक प्रस्ताव पेश किया है। प्रस्ताव में विवाद के राजनयिक समाधान का अह्वान किया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से लगते इलाकों में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पांच मई से गतिरोध चल रहा है। दोनों देशों के बीच स्थिति तब और बिगड़ गई जब 15 जून को गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई झड़प में भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए।

इस झड़प में कई चीनी सैनिकों की भी मौत हुई है जिसकी अबतक पुष्टि नहीं की गई है। यह प्रस्ताव सीनेट में बहुमत पक्ष रिपब्लिकन पार्टी के व्हिप सीनेटर जॉन कोर्निन और खुफिया मामलों की सीनेट की स्थायी समिति के प्रमुख सदस्य मार्क वार्नर ने बृहस्पतिवार को पेश किया। कोर्निन और वार्नर ''सीनेट इंडिया कॉकस'' के सह अध्यक्ष हैं। सीनेट के प्रस्ताव के पहले पिछले महीने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव (प्रतिनिधि सभा) में भी ऐसा ही संकल्प पेश किया गया था। कोर्निन ने कहा, '' सीनेट इंडिया कॉकस के सह संस्थापक के तौर पर मैं अमेरिका-भारत के बीच मजबूत रिश्तों के महत्व को जानता हूं। मैं चीन के खिलाफ खड़े होने और भारत-प्रशांत क्षेत्र के स्वतंत्र एवं मुक्त रखने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करता हूं। पहले से कही अधिक अब जरूरी है कि हम अपने साझेदार भारत का समर्थन करें जो चीनी आक्रमता के खिलाफ अपनी रक्षा कर रहा है।'' वार्नर ने कहा, '' 15 जून को भारत और चीन के बीच संघर्ष, जिसमें 20 भारतीय जवानों की मौत हो गई थी, को विवादित क्षेत्र में बीजिंग के उकसावे की कार्रवाई के प्रति खतरे की घंटी के तौर पर लेना चाहिए।'' उन्होंने कहा, '' यह प्रस्ताव चीन द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखाको बदलने के लिए की गई कार्रवाई की निंदा करता है, खासतौर पर तब जब दोनों देशों के बीच राजनयिक स्तर पर वार्ता चल रही थी। को बदलने के लिए की गई कार्रवाई की निंदा करता है, खासतौर पर तब जब दोनों देशों के बीच राजनयिक स्तर पर वार्ता चल रही थी। साथ ही यह प्रस्ताव दोनों देशों को एलएसी पर अप्रैल 2020 की स्थिति बहाल करने के लिए राजनयिक समाधान के लिए प्रोत्साहित करता है।'

' वार्नर ने कहा कि अमेरिका की लंबे समय से भारत के साथ मजबूत साझेदारी रही है और दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों को साझा करते हैं। उन्होंने कहा, '' यह साझेदारी तब और महत्वपूर्ण हो जाती है जब हम भारत-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त सुनिश्चित करने के लिए साथ काम कर रहे हैं।'' यह साझेदारी तब और महत्वपूर्ण हो जाती है जब हम भारत-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त सुनिश्चित करने के लिए साथ काम कर रहे हैं।''

अमेरिका में भारतीय-अमेरिकियों ने किया 'इंडियंस फॉर बाइडेन नेशनल काउंसिल' का गठन

वाशिंगटन। कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार चुने जाने की खुशी मनाते हुए भारतीय-अमेरिकियों ने 'इंडियंस फॉर बाइडेन नेशनल काउंसिल' का गठन किया, जो तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारतीय मूल की सीनेटर का प्रचार करेगी। 'इंडियंस फॉर बाइडेन नेशनल काउंसिल' का गठन 'साउथ एशियंस फॉर बाइडेन' संगठन के तहत किया गया है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के संभावित उम्मीदवार जो बाइडेन ने 55 वर्षीय हैरिस को मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना था। हैरिस के पिता अफ्रीकी और मां भारतीय हैं। प्रेस में जारी बयान के अनुसार 'इंडियंस फॉर बाइडेन नेशनल काउंसिल' बाइडेन-हैरिस को सभी धर्मों एवं पृष्ठभूमियों के भारतीय-अमेरिकियों का समर्थन दिलाने की कोशिश करेगी। भारत के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शनिवार को इसकी शुरुआत की जाएगी। इस कार्यक्रम की मेजबानी बाइडेन प्रचार मुहिम और 'साउथ एशियंस फॉर बाइडेन' संगठन करेगा। इस कार्यक्रम को बाइडेन संबोधित करेंगे। इसमें हैरिस के भी शामिल होने की उम्मीद है। 'साउथ एशियंस फॉर बाइडेन' की राष्ट्रीय निदेशक नेहा दीवान ने कहा कि भारतीय-अमेरिकियों और अन्य दक्षिण एशियाई लोगों के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि इस चुनाव में क्या दांव पर है। 'साउथ एशियंस फॉर बाइडेन' ने संजीव जोशीपुरा को 'इंडियंस फॉर बाइडेन नेशनल काएंसिल' का निदेशक चुना है। जोशीपुरा ने कहा, ''हम उस ऐतिहासिक पल के करीब हैं जब एक अश्वेत एवं भारतीय-अमेरिकी महिला चुनाव जीतेगी।''

भारत से एक दिन पहले पाकिस्तान क्यों मनाता है आजादी, इससे जुड़ें मुख्य तथ्य

इंटरनैशनल डेस्क। 15 अगस्त, 1947 भारतीय इतिहास की वो तारीख है जब हमारा देश ब्रिटिश हुकूमत से आजाद हुआ था वहीं इसी दिन पाकिस्तान को भी आजादी मिली थी लेकिन 15 अगस्त के बावजूद पाकिस्तान अपनी आजादी का जश्न 14 अगस्त को मनाता है। पाक का 14 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस के पीछे एक कारण छुपा है. दरअसल, हुआ यूं था कि पाकिस्तान के रूप में एक अलग राष्ट्र की स्वीकृति 14 अगस्त को हो गई थी। इसी दिन ही ब्रिटिश लॉर्ड माउंटबेटेन ने पाक को स्वत्रंत राष्ट्र का दर्जा देकर सत्ता सौंपी थी। लिए पाकिस्तान ने अपना आजादी का जश्न हर साल 14 अगस्त को ही पाकिस्तान स्वत्रंता दिवस मनाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 1948 में पाकिस्तान ने जो पहला डाक टिकट जारी किया उसमें आजादी की तारीख 15 अगस्त 1947 ही दर्ज है।

देश के दो हिस्से से हो चुके थे और इसके साथ ही हिंदू और मुस्लिमों का भी विभाजन होना शुरू हो गया था। 13 अगस्त को मुस्लिम महिलाओं ने दिल्ली से ट्रेन में बैठकर पाकिस्तान जाना शुरू कर दिया था । और पाकिस्तान से हिंदुओं को भारत भेजा जा रहा था। पाकिस्तान से जो ट्रेनें भारत आ रही थीं, उनमें बोगियां लाशों से भरी हुई निकल रही थीं। एक तरफ देश में आजादी का जश्न मनाने की तैयारी चल रही थीं तो दूसरी तरफ भारत-पाकिस्तान बंटवारे के चलते चारों ओर खून-खराबा मचा था।हिंदुस्तान-पाकिस्तान बंटवारा महज 50 से 60 दिन के भीतर हुआ लाखों लोगों का विस्थापन था, जो पूरे विश्व में कहीं नहीं हुआ था। पूरे विश्व में कहीं नहीं हुआ था। हिंदुस्तान-पाकिस्तान बंटवारा महज 50 से 60 दिन के भीतर हुआ ।

लाखों लोगों का विस्थापन था, जो पूरे विश्व में कहीं नहीं हुआ था। बंटवारे की घोषणा होते ही एक स्थान पर सालों से रहने वाले अपना घर बार, जमीन, दुकानें, जायदाद, संपतति, खेती किसानी छोड़कर हिंदुस्तान से पाकिस्तान और पाकिस्तान से हिंदुस्तान आ गए। संपतति, खेती किसानी छोड़कर हिंदुस्तान से पाकिस्तान और पाकिस्तान से हिंदुस्तान आ गए। संपतति, खेती किसानी छोड़कर हिंदुस्तान से पाकिस्तान और पाकिस्तान से हिंदुस्तान आ गए। 14 अगस्त इमेज, पाकिस्तान स्वतंत्रता दिवस मुस्लिमों में था खुशी का माहौल विभाजन की इस रूह कंपा देने वाली त्रासदी में एक अनुमान के मुताबिक करीब 20 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। पाकिस्तान से हिंदुस्तान आए लोगों को अपने जीवन यापन के लिए जिस त्रासदी से गुजरना पड़ा, उसका दर्द उनके सिवाय कोई और नहीं समझ सकता।

उस वक्त मुस्लिम समुदाय के लोगों में खुशी का माहौल था, क्योंकि उन्हें पता चल चुका था कि अगले दिन यानी 14 अगस्त को उनके लिए एक अलग राष्ट्र यानी पाकिस्तान बन जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में नदियां उफान पर, 15 जिलों में 674 गांव बाढ़ प्रभावित

लखनऊ (एजेसी)। पिछले तीन दिन से लगातार हो रही बारिष से उत्तर प्रदेश में बाढ़ की हालत विक. राल रूप लेती जा रही है और कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इस बीच सरकार की ओर यह बताया गया है कि उत्तर प्रदेश में 15 जिलों के 674 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं।

राज्य के राहत आयुक्त संजय गोयल ने शुक्रवार को बताया कि आंबेडकरनगर, अयोध्या, आजमगढ, कुशीनगर, खीरी, गोण्डा, गोरखपुर, देवरिया, बहराइच, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, मऊ, संत कबीर नगर और सीतापुर बाढ़ से प्रभावित जिले हैं। बृहस्पतिवार तक प्रदेश के कुल 16 जिले बाढ़ से प्रभावित बताये गये थे और सूची में बलरामपुर का नाम भी शामिल था। उन्होंने बताया कि 15 जिलों के 674 गांव बाढ से प्रभावित हैं। पलियाकलां (लखीमपुर खीरी) में शारदा नदी तथा एल्गिन ब्रिज (बाराबंकी), अयोध्या और तुर्तीपार (बलिया) में सरयू नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिये हैं कि राहत शिविरों के आसपास साफ सफाई सुनिश्चित की जाए और झाडियों को काटा जाए ताकि सर्पदंश की घटनाओं से बचा जा सके। वहीं केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा नदी बदायूं और बलंदशहर में खतरे के निशान के पास पहुंच गई है ।

योगी सरकार आज रिहा करेगी 74 सजायाफ्ता कैदी

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सूबे की विभिन्न जेलों में 74 सजायाफ्ता बंदियों की रिहाई के आदेश दिए हैं।

इनमें 40 ऐसे सजायाफ्ता बंदी हैं, जिनकी सजा पूरी हो चुकी है,

लेकिन जुर्माने की राशि नहीं चुकाने के कारण वे प्रदेश की जेलों में बंद हैं। इनके साथ ही 34 ऐसे सजायाफ्ता बंदी हैं,

जो आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं, लेकिन उनके आचरण के कारण समय से पहले रिहा करने का निर्णय लिया गया है।

इस प्रकार से 74 कैदियों को अब 15 अगस्त को रिहा किया जाएगा।

उन्नाव ब्यूरो रिपोर्ट:प्रकाश शुक्ला पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया जब उन्नाव के गंगा घाट क्षेत्र में बंद कमरे में पति वह पत्नी दोनों के शव मिले,

शव बेड के नीचे पड़े मिले शव, पुलिस की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की तथा घटना के घटित होने के कारणों की जांच की।

ओनलाईन वेब लेक्चर सीरीज का आयोजन

कानपुर **(संजय मौर्या उ.प्र. ब्युरो चीफ़)**किदवई नगर के ब्लॉक डा. वीरेन्द्र स्वरुप इंस्टीट्यूट आफ प्रोफेशनल स्टडीज, 337 के ब्लाक, किदवई नगर कानपुर में पांच दिवसीय ओनलाईन वेब सीरीज का आयोजन किया गया। इस सीरीज में पहले दिन शिक्षा में तकनीकी शिक्षा कौशल के उभरते रुझान, दूसरे दिन उच्च शिक्षा के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, तीसरे दिन नेतृत्व एवं प्रबंधन, चौथे दिन कोविड–19 पर सकारात्मक विचारों का महत्व और पांचवे दिन पाठ्यचर्या विकास के प्रतिमान का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में विभिन्न दिनों में अलग अलग वक्ताओं ने अपने ओजस्वी व्याख्यान दिए।

निश्चित ही ये व्याख्यान छात्राओं के शिक्षण–प्रशिक्षण में मील का पत्थर साबित होंगे।

पहले दिन मुख्य वक्ता डा. गीतांजलि मौर्या (एसो. प्रोफेसर डीजीपीजी कालेज)रहीं।

उन्होंने अपने व्याख्यान में टीचर पैक्ड के माध्यम से शिक्षकों की कुशलता में वृद्धि करने पर बल दिया। उनके अनुसार टीचर पैक्ड फार्मल के अंतर्गत विषय वस्तु, तकनीकी, शिक्षण विधियां समाहित हैं। इन तीनों के बीच समन्वय आवश्यक है, तभी शिक्षा शिक्षण प्रभावशाली होगा।

उन्होंने बताया कि आज के समय में शिक्षण के साथ तकनीकी शिक्षण का बेहद महत्व है। उन्होंने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी वातावरण में योजनाबद्ध तरीके से तकनीकी शिक्षण से छात्रों को अधिक लाभ हो सकता है।

दूसरे दिन मुख्य वक्ता डा. सरोज पाण्डेय (एसो. प्रोफेसर बी.एड. विभाग डीडब्ल्यूटी) ने नई शिक्षा नीति के बारे में गहन जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 29 जुलाई 2020 को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दी है। जो उच्च शिक्षा प्रणालियों में दूरगामी बदलाव लाएगी साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम बदलकर शिक्षा मंत्रालय कर दिया गया है। नई शिक्षा नीति ने 34 वर्ष पुरानी शिक्षा नीति 1986 का स्थान लिया.

युवती ने किया सुसाइड,कोर्ट मैरिज के बाद भी युवक के परिजनों ने रिश्ता नहीं स्वीकारा

उन्नाव ब्यूरो रिपोर्ट:प्रकाश शुक्ला

रायबरेली की रहने वाली युवती सरला ने उन्नाव के ईदगाह पत्थर कॉलोनी के रहने वाले युवक शिव सिंह यादव से कोर्ट मेर्रिज कर ली और उसके साथ उन्नाव आ गयी लेकिन शिव सिंह उसे अपने घर ना लाकर किराये पर रहने लगा और लड़की को छोड़ के अपने घर आ गया क्योकि शिवसिंह दूसरी शादी करने की फिराक में था और इसका मुकदमा रायबरेली कोर्ट में चल रहा था जिसमे रायबरेली कोर्ट द्वारा सुलह नामा हुआ था। लड़की 11 अगस्त जन्माष्टमी के दिन शिव सिंह के घर आई तो उसके ससुरालजनो ने उसे मारा और घर के अंदर नही घुसने दिया सरला 3 दिन तक घर के बाहर ही बैठी रही और उसने उन्नाव पुलिस को भी सारी जानकारी दी लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नही हुई और जिसका नतीजा आज दिनाक 14 अगस्त को उसने घर के गेट में रूप्पटा डाल कर फांसी लगा ली।

तालाब पाटने की वजह से बरसात का पानी घरों में घुस आया

जगतपुर रायबरेली

थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में गांव के ही कुछ लोगों द्वारा तालाब पाटने की वजह से बरसात का पानी घरों में घुस आया गांव के लोगों ने उप जिलाधिकारी सलोन से इसकी शिकायत की और कार्यवाही की मांग की मामला सलोन तहसील क्षेत्र के परहरी गांव का है कहां के रहने वाले गोविंद पुत्र रामबहादुर, वासुदेव पुत्र औसान ,रमावती पत्नी रमेश आदि ने एसडीएम को एक शिकायती पत्र दिया जिसमें उनका आरोप है कि गांव में ही स्थित तालाब में आसपास बने घरों का पानी बरसात में जाता था परंतु गांव के ही कुछ लोगों द्वारा तालाब को पाट कर अवैध कब्जा कर लिया गया है इस वजह से 2 दिनों से हो रही लगातार बारिश से तालाब तक पानी नहीं जा पा रहा है इस वजह से यह सारा पानी घरों में घुस आया है जिस वजह से मिट्टी की बनी दीवारें पूरी तरीके से भी चुकी हैं और कभी भी गिर सकती हैं 24 घंटे जान माल का खतरा बना हुआ है साथ ही पीड़ित ने बताया कि इससे पूर्व भी इस मामले की शिकायत तहसील से लेकर थाना जगतपुर पुलिस में भी की मगर कोई कार्यवाही नहीं हुई

ई.एस.आई सर्वोदय नगर के निदेशक प्रेम प्रकाश पाल कोरोना पॉजिटिव

संजय मौर्या उ.प्र. ब्युरो चीफ

कानपुर कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय जो कि प्राइवेट कंपनियों के कर्मचारियों को चिकित्सा सेवा की सुविधा मुहैया कराता है।

इसका हेड ब्रांच सर्वोदय नगर में है। जहां पर निदेशक प्रेम प्रकाश पाल जी की देखरेख में कानपुर नहीं उत्तर प्रदेश में इस अस्पताल एव डिस्पेंसरी का संचालन किया जाता है। निदेशक महोदय जी को हालांकि हार्ट और शुगर की शिकायत तो काफी समय से है। लेकिन उन्होंने अपनी शंका को देखते हुए कोरोना की जांच कराई। और पहली जांच इनकी पॉजिटिव निकली। जिसको देखते हुए तुरंत 7 एयर फोर्स हॉस्पिटल में जाकर भर्ती हुए। वहीं इनके कार्यालय कैंपस में ही काम कर रहे बाबू अजय, विकास, शशि, अली हसन यह लोग भी कोविड–19 की चपेट में है। और राम सजीवन, केदार जो कि साहब के बंगले पर खाना बनाते हैं। इनको भी कोरोना है। वैसे तो निदेशक साहब बीआईपी अस्पताल में है। और उनका ट्रीटमेंट वीआईपी हो रहा है। लेकिन छोटे कर्मचारियों का क्या जो इनकी सेवा में हमेशा हाजिर रहते हैं।

उनका ख्याल कौन रखेगा। वही अगर कोरोंना को अगर अस्पताल में कोई लाया है। तो इसमें सुनील बाबू की बहुत – बहुत मेहरबानी है ।

इन्हीं के आशीर्वाद से कोरोना ने बीमा अस्पताल मे दस्तक दिया और सुनील बाबु ने अस्पताल के स्टॉप के लोगों को कोरोना से ग्रसित कर दिया है। सुनील बाबू का भी पूरा परिवार करोना पॉजि. टिव है। अब देखना है कि मामला उच्च प्रशासनिक अधिकारियों पास आ गया है।

क्या प्रशासन अस्पताल की बिल्डिंग को सील करता है। या फिर ऐसे ही कोरोना चारों ओर बटेगा। क्या जिलाधिकारी महोदय जी के आदेशों का पालन होगा। क्या अस्पताल को सेनीटाइज किया जाएगा। क्या अब अस्पताल को सील किया जाएगा। क्या कर्मचारियों की जांच की जाएगी। या फिर मरीजों के साथ अस्पताल में खिलवाड़ किया जाएगा।

क्रांति समय की उतरप्रदेश टीम की ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

संजय मौर्या
उ.प्र. ब्युरो चीफ़

मुकेश यादव
रिपोर्टर कानपुर नगर

शिवशंकर मौर्या
आई टी विभाग

सुरेश मौर्या
संपादक

संदीप मौर्य
रायबरेली ब्यूरो

मुकेश कुमार मौर्य
चंदौली ब्यूरो

प्रकाश शुक्ला
उन्नाव ब्यूरो

शिवकुमार मिश्रा
रिपोर्टर कानपुर नगर

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैश्विक महामारी की चुनौती का सामना करने के लिए केंद्र ने प्रभावी कदम उठाए : राष्ट्रपति

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद (President Ramnath Kovind) ने स्वतंत्रता दिवस (Independence Day) की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए वैश्विक महामारी कोरोना (Coronavirus) के खिलाफ लड़ाई में केंद्र और राज्य सरकारों की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के उत्सवों में हमेशा की तरह धूम-धाम नहीं होगी। इसका कारण स्पष्ट है, पूरी दुनिया एक ऐसे घातक वायरस से जूझ रही है, जिसने जन-जीवन को भारी क्षति पहुंचाई है और हर प्रकार की गतिविधियों में बाधा उत्पन्न की है। 74वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उन्होंने कहा, 'यह बहुत आश्वस्त करने वाली बात है कि इस चुनौती का सामना करने के लिए, केंद्र सरकार ने पूर्वानुमान करते हुए, समय रहते, प्रभावी कदम उठा लिए थे। इन असाधारण प्रयासों के बल पर, घनी आबादी और विविध परिस्थितियों वाले हमारे विशाल देश में, इस चुनौती का सामना किया जा रहा है। राज्य सरकारों ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार कार्रवाई की। जनता ने पूरा सहयोग दिया।' राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा, 'इन प्रयासों से हमने वैश्विक महामारी की विकरालता पर नियंत्रण रखने और बहुत बड़ी संख्या में लोगों के जीवन की रक्षा करने में सफलता प्राप्त की है। यह पूरे विश्व के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि किसी भी परिवार को भूखा न रहना पड़े, इसके लिए जरूरतमन्द लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। इस अभियान से हर महीने, लगभग 80 करोड़ लोगों को राशन मिलना सुनिश्चित किया गया है। 74वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, देश-विदेश में रह रहे, भारत के सभी लोगों को बधाई देते हुए राष्ट्रपति ने कहा, 'इस अवसर पर, हम अपने स्वाधीनता सेनानियों के बलिदान को कृतज्ञता के साथ याद करते हैं। उनके बलिदान के बल पर ही, हम सब, आज एक स्वाधीन देश के निवासी हैं। उन्होंने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि महात्मा गांधी हमारे स्वाधीनता आंदोलन के

मार्गदर्शक रहे। उनके व्यक्तित्व में एक संत और राजनेता का जो समन्वय दिखाई देता है, वह भारत की मिट्टी में ही संभव था

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने फडणवीस को बनाया प्रभारी, सुशांत की मौत बनेगा चुनावी मुद्दा

नेशनल डेस्क। इस साल बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को चुनाव प्रभारी नियुक्त कनरे का फैसला किया है। फडणवीस पार्टी महासचिव भूपेंद्र यादव के साथ बिहार चुनाव की रणनीति तैयार करेंगे। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत का असर बिहार चुनाव पर पड़ने की पूरी संभावना है। वहीं, इस मामले में बिहार बनाम महाराष्ट्र का सियासी खेल चल रहा है। कहा जा रहा है कि ऐसे में भाजपा फडणवीस को मैदान में लाकर यह मुद्दा अपने खाते में करना चाहती है। देवेंद्र फडणवीस को बिहार चुनाव में लाने का फैसला गुरुवार को भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में लिया गया था। बता दें कि भूपेंद्र यादव और देवेंद्र फडणवीस की जोड़ी महाराष्ट्र में भी बढ़िया नतीजे लाने में कामयाब हुई थी। अभी तक महाराष्ट्र की राजनीति तक ही सीमित रहे फडणवीस को पार्टी पहली बार राज्य के बाहर जिम्मेदारी दी जा रही है। इस दांव से भाजपा की मंशा बिहार के साथ-साथ महाराष्ट्र में भी अपनी पकड़ मजबूत करने की है। सुशांत मामले पर भाजपा लगातार महाराष्ट्र सरकार पर हमलावर रही है। सूत्रों के अनुसार भाजपा का मानना है कि सुशांत की मौत की जांच में आने वाले समय में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। पार्टी को इस मामले के बिहार चुनाव में प्रमुख मुद्दा बनने की पूरी संभावना है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की सिफारिश की थी, जिसके बाद मामला सीबीआई के हाथ में दे दिया गया था। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में इस बात पर विचार हो रहा है कि इस मामले की जांच सीबीआई को करने दी जाए या महाराष्ट्र पुलिस के हवाले की जाए। बता दें कि बिहार की राजनीति में उतरने वाले फडणवीस महाराष्ट्र के चौथे नेता होंगे।

विवादों में आते ही संजय राउत के बदल गए सुर, सुशांत सिंह को बताया बेटे जैसा

नेशनल डेस्क। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत को भले ही 2 महीने से ज्यादा का समय बीत गया हो लेकिन यह मामला आए दिन नया मोड़ ले रहा है। सुशांत सिंह के परिवार पर कई आरोप लगाने के बाद अब शिवसेना नेता संजय राउत के सुर बदल गए हैं। अब उन्होंने राजपूत को अपने बेटा बता डाला। शिवसेना नेता ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सुशांत सिंह राजपूत हमारा बेटा था। वह मुंबई में रहते थे, बॉलीवुड मुंबई का परिवार है, हमारी क्या दुश्मनी होगी? इतना ही नहीं राउत ने कहा कि हमें सुशांत सिंह राजपूत के परिवार से पूरी सहानुभूति है। यहां तक कि हम चाहते हैं कि उसके परिवार को न्याय मिले। हम चाहते हैं कि उनकी मौत के पीछे का राज सामने आए। राउत ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा कि कल मैंने सिर्फ इतना कहा था कि उनको धीरज रखना चाहिए, लेकिन ऐसा दिखाया गया कि मैंने धमकी दी है। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस पर विश्वास रखें और अगर आपको लगता है कि पुलिस अपना काम नहीं कर रही है तो सीबीआई की मांग कर सकते हैं। गौरतलब है कि संजय राउत ने बीते दिनों सुशांत के परिवार को लेकर कुछ टिप् पणी की थी, जिस पर उन् हें मांगी मांगने के लिए लीगल नोटिस तक भेजा गया। लीगल नोटिस में राउत को माफी मांगने के लिए 48 घंटे का अल टीमेटम दिया गया था। दरअसल शिवसेना राउत ने दिवंगत अभिनेता के परिवार को शांत रहने की नसीहत दी थी।

जस्थान में गहलोत सरकार ने जीता विश्वास मत

जयपुर । राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने विधानसभा में विश्वास मत जीत लिया है। इसके साथ ही सदन की कार्यवाही 21 अगस्त तक स्थगित कर दी गई है। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा और कहा कि ऐसे समय में जब पूरी दुनिया कोरोनावायरस से लड़ रही है, यह पार्टी सरकार गिराने में लगी रही। राजस्थान विधानसभा का विशेष सत्र दो घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया था। जब सदन की कार्यवाही दोपहर एक बजे शुरू हुई तो राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने विश्वास प्रस्ताव पारित किया, जिस पर जमकर बहस हुई। विश्वास प्रस्ताव पर विधानसभा में बहस के बाद और दोनों पक्षों की ओर से बात रखे जाने के बाद गहलोत सरकार ने ध्वनिमत से विश्वास मत हासिल कर लिया। राज्य विधानसभा को अब 21 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। गहलोत सरकार अब कम से कम छह महीने के लिए सुरक्षित है, क्योंकि विपक्ष अगले छह महीनों के भीतर अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकता है। बता दें कि गुरुवार को भाजपा के नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने कहा था कि उनकी पार्टी विशेष विधानसभा सत्र में राज्य सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। हालांकि, जैसे ही कांग्रेस ने शुक्रवार को विश्वास प्रस्ताव पारित किया तो भगवा पार्टी ने इस विचार को छोड़ दिया है। गहलोत सरकार के खिलाफ बागी तेवर दिखाने वाले कांग्रेस नेता सचिन पायलट के बीच समझौता होने के कुछ दिनों बाद ही विधानसभा का सत्र आया, जो कांग्रेस के लिए राज्य में एक महीने से अधिक की अनिश्चितता के बीच एक सुखद अंत की तरह रहा। विधानसभा में सीट बदलने के मुद्दे पर सचिन पायलट ने कहा, पहले मैं सरकार का हिस्सा था, लेकिन अब मैं सरकार में नहीं हूं। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि कोई कहां बैठता है, लेकिन लोगों के दिल और दिमाग में क्या है। जहां तक बैठने के पैटर्न पर विचार किया जाता है, यह स्पीकर और पार्टी की ओर से तय किया जाता है और मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। सचिन पायलट ने कहा, समय के साथ सभी बातों का खुलासा होगा, जो कुछ कहना था सुनना था, हमें जिस डॉक्टर के पास अपने मर्ज को बताना था बता दिया। सदन में आज आएं हैं तो कहने-सुनने की बातों को छोड़ना होगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की कोविड-19 रिपोर्ट निगेटिव, कुछ दिन होम आइसोलेशन में रहेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित अमित शाह की कोविड-19 रिपोर्ट निगेटिव आई है। इस संबंध में उन्होंने ट्वीट कर बताया कि आज (शुक्रवार, 14 अगस्त) मेरी कोविड-19 टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई है। मैं ईश्वर का धन्यवाद करता हूं। बता दें कि गृहमंत्री दो अगस्त को कोरोना पॉजिटिव हो गए थे। ट्वीट में उन्होंने लिखा कि आज मेरी कोरोना टेस्ट रिपोर्ट नेगेटिव आई है। मैं ईश्वर का धन्यवाद करता हूं और इस समय जिन लोगों ने मेरे स्वास्थ्य लाभ के लिए शुभकामनाएं देकर मेरा और मेरे परिजनों को ढांढस बंधाया, उन सभी का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं। डॉक्टर्स की सलाह पर अभी कुछ और दिनों तक होम आइसोलेशन में रहूंगा।

2 अगस्त को मेदांता अस्पताल में भर्ती हुए थे शाह

इससे पहले 2 अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह ने खुद जानकारी देते हुए बताया था कि वो कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। शाह को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कोरोना के लक्षण दिखने के बाद गृहमंत्री ने टेस्ट करवाया था, जिसमें उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। गृहमंत्री अमित शाह के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद कई बड़ी हस्तियों ने उनके जल्द ठीक होने की कामना की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर कहा कि अमित जी, हर चुनौती के सामने आपकी दृढ़ता और इच्छा शक्ति एक मिसाल रही है। कोरोना वायरस की इस बड़ी चुनौती पर भी आप निश्चित रूप से विजय प्राप्त करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। आप जल्द से जल्द स्वस्थ हों, यही मेरी ईश्वर से प्रार्थना है।

बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने पीएम मोदी लिखा पत्र, की मांग

नई दिल्ली।

बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया भारतीय निर्माण उद्योग का प्रनतनिधित्व करने वाली शीर्ष संस्था है। जिसका गठि सन् 1941 में हुआ था और वर्तमान में संपूर्ण भारतवर्ष में फैले हुए 200 केंद्रों के माध्यम से लगभग 20000 निर्माण कंपनियां परोक्ष पैटर्न सदस्य और 100000 से अधिक अपरोक्ष रूप में क्षेत्रीय संघों के माध्यम से बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ संबंधित हैं। बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया निर्माण उद्योग और सरकार के बीच नीति निर्धारण में एक सेतु का कार्य करते हुए राष्ट3 के आर्थिक विकास में सहयोग प्रदान करने का कार्य करती आई है। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व केंद्र सरकार द्वारा भारत् वर्ष में कृषि क्षेत्र के बाद दूसरे सबसे बड़े उद्योग निर्माण क्षेत्र की कठिनाइयों का संज्ञान लेकर किए गए उपचारात्मक उपायों और प्रयासों कि लिए बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया हृदय से आभार व्यक्त करती है। बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुत्थुस्वामी द्वारा निम्नलिखित विषयों का संज्ञान लिए जाने एवं संबंधित कठिनाइयों का निवारण करने हेतु केंद्र सरकार से निवेदन किया गया है। निर्माण क्षेत्र को उद्योग का दर्जा दिया जाए और विशेष रूप से निर्माण उद्योग के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया जाए। सीमेंट स्टील निर्माण उद्योग के आवश्यक अनिवार्य सामग्री हैं। इनकी उपलब्धता सुनिश्चित कराने एवं दरों पर नियंत्रण रखने के लिए स्टील एवं सीमेंट नियामक आयोग की स्थापना सरकार द्वारा की जानी चाहिए जोकि ऐसे अनियंत्रित उत्पादकों पर भी लगाम लगा सके जो अनुचित लाभ बनाने के लिए संघ बना लेते हैं। इस विषय को आपके संज्ञान में लाना है कि बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा 2010 में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग में सीमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और अन्य कंपनियों के विरुद्ध सीमेंट उत्पादन और वितरण सीमित करने और एक अनुचित संघ बनाकर सीमेंट की दरों की अप्रत्याशित वृद्धि करने के विरुद्ध एक मुकदमा दर्ज किया गया था। इस विषय में जांच के आधार पर ष्टष्टढ्ढ द्वारा वर्ष 2016 में निर्णय दिया गया और अनुचित रूप से संघ बनाकर सीमेंट उत्पादन और बाजार में वितरण करने व दरों में अनुचित वृद्धि करने का दोषी मानते हुए ष्टरू और 11 सीमेंट उत्पादकों पर 6317 करोड़ का जुर्माना लगाया वर्तमान परिदृश्य में निर्माण उद्योग आगे नहीं बढ़ रहा है और अधिक असफलताओं को झेल रहा है क्योंकि सभी परियोजनाएं अत्यधिक अनिश्चितता की महामारी कोविड-19 के कारण ठप हैं। सभी बिल्डरों और ठेकेदारों को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए क्योंकि वे बिना किसी उत्पादकता के प्रशासन और श्रम भुगतानों की अधिक लागत के बोझ से दबे हुए हैं। केंद्र सरकार अथवा राज्य सरकार के सभी विभागों में वित्तीय वर्ष 2019-20 तक लंबित समस्त बिल भुगतान तुरंत प्रभाव से अवमुक्त किए जाएं। कोविड-19 महामारी के चलते केंद्र सरकार द्वारा घोषित मोरेटोरियम की अवधि सभी ऋणों यथा मशीनरी, व्यापार अथवा गृह ऋण आदि पर बकाया मूल ऋण की अदायगी की अवधि 31/03/2021 तक वृद्धि की जाए तथा ब्याज राशि में छूट प्रदान की जाए। ऑर्बिटेशन क्लॉज के साथ मूल्य वृद्धि की शर्तें तथा समय वृद्धि की शर्त वर्तमान में चल रहे।

उफ कैसी मजबूरी! 4 फीट गहरे पानी में से निकाली शवयात्रा

सागर। यदि सरकारी सुविधाओं की बात करे तो कागज में तो सरकार बड़े बड़े दावे करती है लेकिन इनकी जमीनी हकीकत कुछ और ही है। मामला सागर जिले के बीना शहर का है जहां लोग मृतक व्यक्ति के संस्कार के लिए जान जोखिम में डालकर शव यात्रा निकाल रहे हैं। दरअसल, झांसी गेट पिछले कई दिनों से ओवरब्रिज के काम के चलते बंद है। जिसके चलते लोगों को अंजर ब्रिज होकर गुजरना पड़ता है। वहीं अंडर ब्रिज के नीचे पानी की निकासी न होने के कारण जरा सी बारिश होने पर पानी जमा हो जाता है। ऐसे में लोगों को मजबूरन शुक्रवार को हुई तेज बारिश के बाद अंडर ब्रिज में पानी भर गया। वही मोहल्ले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मजबूरन लोगों को जान जोखिम में डालकर 4 फीट गहरे पानी से होकर गुजरना पड़ा। बीना विधायक महेश राय ने पिछले दिनों अंडर ब्रिज का निरीक्षण किया था।

प्रणब मुखर्जी की हालत बनी हुई है नाजुक, ईलाज के साथ दुआओं का दौर जारी

नेशनल डेस्क।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की हालत में शुक्रवार को भी कोई सुधार नहीं आया और वह अब भी जीवनरक्षक प्रणाली पर हैं। मुखर्जी (84) को 10 अगस्त को सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी मस्तिष्क की सर्जरी की गई थी। इससे पहले कोविड-19 जांच में उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। अस्पताल ने एक बयान में कहा गया कि माननीय प्रणब मुखर्जी की हालत में आज सुबह (14 अगस्त 2020) भी कोई सुधार नहीं आया। वह अब भी जीवनरक्षक प्रणाली पर हैं। उनकी हालत अभी स्थिर है। प्रणब मुखर्जी 2012 से 2017 तक भारत के राष्ट्रपति थे। उनकी एवं कांग्रेस नेता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने पिता के स्वास्थ्य के लिए भगवान से प्रार्थना की। उन्होंने ट्वीट किया कि पिछले साल आठ अगस्त का दिन मेरे लिए सर्वाधिक प्रसन्नता के दिनों में से एक था जब मेरे पिता को भारत रत्न मिला था। ठीक एक साल बाद 10 अगस्त को वह गंभीर रूप से बीमार हो गए।

चीनी फौज के साथ हुई झड़प में अदम्य शौर्य दिखाने वाले आईटीबीपी के 21 जवानों को मिला बहादुरी पदक

नई दिल्ली। लद्दाख में हाल ही में चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष में बहादुरी दिखाने के लिए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के 294 जवानों को महानिदेशक (डीजी) प्रशस्ति से सम्मानित किया गया है। आईटीबीपी ने शुक्रवार को बताया कि इस इलाके में तैनात 21 जवानों को वीरता पदक देने की अनुशंसा सरकार से की गई है। आईटीबीपी ने दोनों सेनाओं के बीच गतिरोध के बारे में पहली बार आधिकारिक तौर पर जानकारी देते हुए बताया कि ''किस तरह जवानों ने न केवल प्रभावी तरीके से अपनी रक्षा की बल्कि आगे बढ़ रहे पीएलए (चीन की जनमुक्ति सेना) के जवानों को करारा जवाब दिया और स्थिति को नियंत्रित किया। आईटीबीपी ने कहा, ''आईटीबीपी ने इस वर्ष मई-जून में गतिरोध और झड़प के दौरान चीनी सैनिकों का सामना करने वाले 21 जवानों के नामों की अनुशंसा वीरता पदक के लिए की है। बल ने कहा, ''साथ ही स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 294 जवानों को महानिदेशक प्रशस्ति से सम्मानित किया गया है। इसने कहा कि आईटीबीपी के जवानों ने उच्चस्तरीय पेशेवर कौशल दिखाया और ''करारा जवाब दिया तथा भारतीय सेना के जख्मी जवानों को वापस लेकर लौटे।

पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में शांति बर्दाश्त नहीं कर सकता : डीजीपी दिलबाग सिंह

श्रीनगर ।

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा कि पाकिस्तान और उसके छद्म केंद्र शासित प्रदेश में शांति बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने यह बात शुक्रवार को श्रीनगर के बाहरी इलाके में आतंकवादियों के हमले में दो पुलिस कर्मियों के शहीद होने और अन्य के घायल होने के बाद कही। इसके साथ ही, सिंह ने जोर देकर यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति को मजबूत करने की कोशिशें जारी रहेंगी। नौगाम में पुलिस दल में हमले में शहीद दो जवानों को अंतिम सलामी देने के लिए आयोजित कार्यक्रम के बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, तंत्रता दिवस (15 अगस्त) समारोह के मद्देनजर हमने शहर में और शहर के बाहर कई स्थानों पर जवानों की तैनाती बढ़ाई है। हम शहर के बाहरी इलाकों में भी तैनाती बढ़ा रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि शहर के बाहरी हिस्से नौगाम में तैनाती दल पर हमला किया गया और दो जवान शहीद हो गए जबकि अन्य घायल हुए हैं। डीजीपी ने कहा कि पाकिस्तान और उसके गुर्गे जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण वातावरण बर्दाश्त नहीं कर सकते और यहां तक कि शांति के रास्ते में भी बाधा उत्पन्न करते हैं। उन्होंने कहा, हम सभी कश्मीर के हालात के बारे में जानते हैं, जहां पर आतंकवादी नियमित रूप से नागरिकों, पुलिस और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की कोशिश करते हैं और कई बार वे इसमें सफल भी हो जाते हैं, लेकिन साथ ही पुलिस और सुरक्षा बल हालात में सुधार करने के लिए कदम उठा रहे हैं। सिंह ने कहा, हम आने वाले दिनों में आतंकवाद निरोधी अभियान का विस्तार करेंगे लेकिन ऐसी घटनाएं पाकिस्तान और उसके गुर्गों की वजह से होती है क्योंकि वे यहां शांतिपूर्ण माहौल को बर्दाश्त नहीं कर सकते।

दिल्ली में कई जगह ट्रैफिक डायवर्ट, इन रास्तों पर जाने से पहले चैक करें रूट चार्ट

नेशनल डेस्क। स्वतंत्रता दिवस के मद्देजनर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने दिशा-निर्देश जारी करते हुए दिल्ली की जनता से अपील कि है कि 15 अगस्त के लिए कई जगह ट्रैफिक डायवर्जन किया गया है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के तहत लाल किले के आसपास की करीब एक दर्जन से ज्यादा सड़कें बंद रहेंगी और ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। इस दौरान नई दिल्ली के अलावा सेंट्रल दिल्ली के कई इलाकों में सुबह के वक्त कई मार्ग पूरी तरह से बंद रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अलावा दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के जवानों की इन इलाकों में तैनाती रहेगी। ट्रैफिक पुलिस ने रूट डायवर्ट को लेकर चार्ट भी जारी किया है। संयुक्त आयुक्त एनएस बुंदेला ने बताया कि जिन मार्गों पर सुबह 4 बजे से 10 बजे तक आम वाहन चालकों की मनाही होगी उनमें नेताजी सुभाष मार्ग से दिल्ली गेट-छत्ता रेल तक, लोथियान रोड से जीपीओ-छत्ता रेल तक, एसपी मुखर्जी मार्ग से एचसी सेन मार्ग-यमुना बाजार चैक, चांदनी चौक रोड से फाउंटेन चौक-लाल किला तक, निशद राज मार्ग से रिंग रोड-नेताजी सुभाष मार्ग, एस्प्लानेड रोड और लिंक रोड से नेताजी सुभाष मार्ग, रिंग रोड से राजघाट-आईएसबीटी, आउटर रिंग रोड से आईएसबीटी-आईपी फ्लाईओवर सलीमगढ़ बाईपास तक शामिल हैं। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान इन सड़कों पर केवल पार्किंग लेबल लगे वाहनों को ही अनुमति दी जाएगी। जिन वाहनों पर पार्किंग लेबल नहीं होगा उन्हें सी-हेक्सागन इंडिया गेट, कॉपरनिक्स मार्ग, मंडी हाउस, सिकंदरा रोड, डब्ल्यू प्वाइंट, ए प्वाइंट, तिलक मार्ग, मथुरा रोड, बहादुरशाह जफर मार्ग, सुभाष मार्ग, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, रिंग रोड पर निजामुद्दीन ब्रिज से भी बचने की सलाह दी गई है। ट्रैफिक पुलिस ने नॉर्थ से साउथ दिल्ली जाने के लिए अरबिंदो मार्ग, सफदरजंग रोड, मदर टेरेसा क्रीसेंट, पार्क स्ट्रीट, मंदिर मार्ग, पंचकुईया रोड, रानी झांसी रोड के इस्तेमाल की सलाह दी है। मथुरा रोड, बहादुरशाह जफर मार्ग, सुभाष मार्ग, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, रिंग रोड पर निजामुद्दीन ब्रिज से भी बचने की सलाह दी गई है। ट्रैफिक पुलिस ने नॉर्थ से साउथ दिल्ली जाने के लिए अरबिंदो मार्ग, सफदरजंग रोड, मदर टेरेसा क्रीसेंट, पार्क स्ट्रीट, मंदिर मार्ग, पंचकुईया रोड, रानी झांसी रोड के इस्तेमाल की सलाह दी है। इसके अलावा कनॉट प्लेस पहुंचकर मिंटो रोड, भावभूति मार्ग, अजमेरी गेट, श्रद्धानंद मार्ग, लाहौरी गेट चैक, नया बाजार, पीली कोठी, एसपी मुखर्जी मार्ग पर पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से भी अपने गंतव्य तक पहुंचा जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)